आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 288 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 09 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

हरियाणा में हार,कांग्रेस में बढ़ी रार

12 अक्टूबर के बाद भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण, प्रधानमंत्री से मिले नायब सिंह सैनी

हरियाणा नतीजों का विश्लेषण करेंगे: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने

विधानसभा चुनाव के परिणामों पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। प्रदेश में इंडिया की जीत संविधान की जीत है, लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है।

राहुल गांधी ने हरियाणा में मिली करारी हार पर कहा कि हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने आगे कहा कि हक का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे, आपकी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे। दरअसल, हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा ने न सिर्फ सारे एग्जिट पोल्स को झूठा साबित कर दिया, बल्कि अपने विरोधियों को भी चौंका दिया है। इसके बाद से ही कांग्रेस अपने साथियों के निशाने पर है। हालांकि, कांग्रेस इन नतीजों को मानने के लिए तैयार नहीं है। उसने नतीजों में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत भी की है।

सैलजा ने प्रदेश नेतृत्व पर उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार हार से प्रदेश कांग्रेस स्तब्ध है। पार्टी में हार के

बाद घमासान मच गया है। साथ ही प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। खुद सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश नेतृत्व पर निशाना साधा है।

सैलजा ने कहा है कि प्रदेश नेतृत्व की जिम्मेदारी पर चर्चा करनी होगी। कहां पर किसकी कमी रही, यह हाईकमान देखेगा। अपनी कमियों के बारे में सोचना होगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में कुमारी सैलजा ने कहा कि हमें 60 से अधिक सीटें जीतने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम इसके उलट आए हैं। हम सभी को मंथन की जरूरत है। आपको बता दें कि इस समय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कांग्रेस हाईकमान ने फ्री हैंड दे रखा है और उनके ही समर्थक चौधरी उदयभान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। कुमारी सैलजा शुरू से ही संगठन नहीं बनाने को लेकर भी सवाल उठाती रही हैं। इसके अलावा, लोकसभा और विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण को लेकर सैलजा हाईकमान के सामने नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं।

यूपी उपचुनाव में सपा ने उतारे प्रत्याशी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने विधानसभा की 6 सीटों के लिए नाम का ऐलान कर दिया है. करहल से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मिल्कीपुर से अजित प्रसाद, कटेहरी से शोभावती वर्मा, मझवां से ज्योति बिंद को टिकट दिया गया है.सपा ने मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद सदर और अलीगढ़ की खैर सीट पर उम्मीदवारों के नाम होल्ड कर दिए हैं।

माँ कालरात्रि

आज मां भगवती के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा अर्चना होगी। देवी का यह स्वरूप अनंत एवं व्यापक है। कालरात्रि अर्थात काल को जीतने वाली। जन्म, पालन और काल। देवी के तीन स्वरूप। सृष्टि संयोजन और संचालन इन्हीं काली जी की कृपा का फल है। एक बार शिवजी ने देवी को काली कह दिया। इस कारण उनका नाम काली पड़ गया। माता काली की पूजा से सब कुछ सिद्ध होता है। इस रात्रि अखंड ज्योति जलाकर काले तिलों से पूजन करने एवं जप-तप करने से मां काली प्रसन्न होती हैं। रात्रि में यज्ञ करने से साधक के मनोरथ पूर्ण होते हैं। इनकी उपासना का सिद्ध मंत्र है।

उपासना मंत्र

या देवी सर्वभूतेदु तुष्टि रूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, बैग में मिले 62 मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 पुलिस, सीआरटी टीम द्वारा दादरी मेन रोड़ पर चेकिंग के दौरान बदमाशों से हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह दोनों बदमाश दिल्ली-एनसीआर में राह चलते लोगों से मोबाइल छीनने तथा चोरी व शराब की तस्करी जैसे अपराधों में शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि दादरी मेन रोड़ पर चेकिंग के दौरान भंगेल की तरफ से आ रही बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल पैशन प्रो पर सवार तीन व्यक्तियों को रूकने का इशारा किया गया, लेकिन वह नहीं रूके और ककराला की ओर भागने लगे जिसपर पुलिस टीम द्वारा शक होने पर उक्त मोटरसाइकिल का पीछा किया गया और ककराला की तरफ चेकिंग कर रही पुलिस टीम को उक्त मोटरसाइकिल सवारों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सिरफिरे युवक ने शादीशुदा महिला की जिंदगी बनाई नर्क

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सिरफिरे युवक की हरकतों ने एक शादीशुदा महिला का जीना मुहाल हो गया है। सिरफिरे युवक ने महिला को इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज भेजने के साथ मिलने के लिए दवाब डाला। महिला जब अपने पति व पिता के साथ पहुंची तो युवक ने अपने भाई व दोस्तों के साथ मिलकर मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। महिला की शिकायत पर थाना बादलपुर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना बादलपुर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली विमलेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि करीब 6 माह पहले सोनू पुत्र दिनेश ने उसे इंस्टाग्राम पर गंदे गंदे मैसेज किए। उसने जब मैसेजों का कोई जवाब नहीं दिया तो वह उसे फोन कॉल करने लगा। उसने जब इस बात का विरोध किया तो सोनू पुत्र दिनेश ने उसे आस पड़ोस व समाज में बदनाम करने की धमकी दी। विमलेश के मुताबिक उसने सोनू द्वारा ब्लैकमेल किए जाने की जानकारी अपने पति व परिवार के अन्य सदस्यों को दी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सेक्टर-55 की सोफिया सिंह बनी मिस एशिया पेसिफिक इंटरनेशनल

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-55 निवासी सोफिया सिंह ने नोएडा का नाम रोशन करते हुए मिस एशिया पेसिफिक इंटरनेशनल 2024 का ताज जीत कर नोएडा का नाम रोशन किया।

आरडब्ल्यूए 55 अध्यक्ष सत नारायण गोयल ने कहा कि आज बड़े हर्ष का विषय है कि हमारे सेक्टर की बिटिया सोफिया सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे नोएडा और सेक्टर 55 का नाम रोशन किया है।

सोफिया सिंह की घर वापसी के अवसर पर समस्त सेक्टर 55 की बेटी सोफिया सिंह का 9 अक्टूबर को शाम 6:00 बजे सैक्टर के गेट नंबर 5 पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सत नारायण गोयल एवं समस्त आरडब्ल्यूए टीम व समस्त सेक्टर 55 के पारिवारिक जन हृदय की उमंगो के साथ जोरदार स्वागत करेंगे।

लकी ड्रा में निकले 50 लाख रुपए, झांसे में फंस गई महिला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लकी ड्रा में 50 लाख रुपए इनाम निकलने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक महिला से 4 लाख 70 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। महिला के पति ने थाना बादलपुर में 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। ग्राम सादोपुरा निवासी बिशन सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी पत्नी सुनीता के मोबाइल फोन पर रवि उर्फ अमनप्रीत नामक व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल की। अमनप्रीत ने बताया कि लकी ड्रा में उसके नाम पर 50 लाख रुपए का इनाम निकला है। अमनप्रीत ने उसकी पत्नी से उसके बैंक खाते का विवरण लेना चाहा लेकिन कोई बैंक खाता न होने की वजह से उसने घर आकर उक्त धनराशि देने का आश्वासन दिया। इस दौरान अमनप्रीत लगातार उसकी पत्नी के पास फोन करता रहा। 8 नवंबर 2023 को रवि उर्फ अमनप्रीत ने उसकी पत्नी के मोबाइल पर फोन कर बताया कि वह 50 लाख **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

45 करोड़ की लागत से बनेंगे 2 रैलीवेल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण 45 करोड़ की लागत से 2 रैनीवेल बनाएगा। पाइन

लाइन बिछाने का काम शुरू होने जा रहा है। इससे यमुना बेल्ट से पानी की सप्लाई की क्षमता करीब 136 एमएलडी हो जाएगी।

प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि रैनीवेल से सप्लाई किए जाने वाले पानी का टीडीएस 450 के आसपास होता है। इसमें बोरवेल का पानी मिलाकर सप्लाई किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में करीब 32 रैनीवेल काम कर रहे है। वहां पानी की सप्लाई ही इन रैनीवेल से हो रही है। इसी तरह नोएडा में इसका उपयोग किया जा सकता है। क्योंकि यमुना का एक बड़ा हिस्सा नोएडा से होकर ही गुजरता है। इसके किनारे रैनीवेल बनाए जा सकते है।

जीएम जल आरपी सिंह ने बताया कि नोएडा में 8 रैनीवेल सक्रिय है। जिनसे रोजाना करीब 100 एमएलडी पानी की सप्लाई हो रही है। तीन रैनीवेल जल्द ही सक्रिय किए जाएंगे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

स्कूटी में मारी टक्कर, बहन की मौत, भाई घायल

नोएडा (चेतना मंच)। पृथला ब्रिज के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार बहन भाई घायल हो गए। इस हादसे में युवती की मौत हो गई जबकि उसके भाई की हालत गंभीर बनी हुई है।

7th एवेन्यू निवासी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि 6 अक्टूबर की रात्रि को उसकी बहन बुलबुल सिंह और उसका भाई राजीव कुमार सिंह सेक्टर 70 से गौर सिटी की तरफ जा रहे थे। पृथला पुल से नीचे उतरते ही अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

लूट, चोरी में वांछित ईनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पकड़े गए बदमाश के पास से नगदी, तमंचा, कारतूस व चोरी की बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस टीम कुलेसरा पुस्ता रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बगैर नंबर की बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकला। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया, जिस पर उसने फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार बदमाश के पैर में गोली लगी और वह गिर गया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बच्चे के इलाज में लापरवाही का आरोप सीएमओ से की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 में एक बच्चे के इलाज

मे लापरवाही करने व परिजनों से अभद्रता करने की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की गई है ।

पूरा मामला सेक्टर-12 स्थित डॉक्टर पिपलानी के क्लीनिक से जुड़ा हुआ है। बीते दिनों सेक्टर 11 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता अपने 9 साल बेटे का इलाज कराने के लिए डाक्टर पिपलानी के क्लीनिक पर गए। उनके बेटे के हाथ में चोट लग गई थी। डॉक्टर पिपलानी के अलावा अनुज गुप्ता ने एक अन्य डॉक्टर को भी इस मामले की जानकारी दी थी। तब उन्होंने सुझाव दिया था कि एक सप्ताह के लिए **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सेक्टर-18 में सुबह 8 से रात 10 बजे तक वाहनों का प्रवेश रहेगा बंद

500 मीटर तक रहेगा वाहन रहित क्षेत्र : विजय रावल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-18 में

500 मीटर की रोड को नो व्हीकल जोन बनाएगा। इस रोड पर सुबह 8 से रात 10 बजे तक वाहनों की नो एंट्री होगी। रात 10 से सुबह आठ बजे तक वाहन आ जा सकेंगे। यह जानकारी उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल ने दी।

श्री रावल ने बताया कि सेक्टर-18 में पैदल चलने वाले लोगों के लिए वॉक वे और ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा। इस ग्रीन एरिया में आकर्ष स्कल्पर्स और म्यूरल लगाए जाएंगे। इस पूरे काम के लिए 4.83 करोड़ रुपए खर्च होगा। ये काम आगामी छह महीने में पूरा किया जाएगा। दरअसल इस सेक्टर में रोजाना करीब 5 लाख से ज्यादा लोगों का फुटफाल होता है। वाहनों की आवाजाही ज्यादा होने से सड़क हादसा और लोगों को दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि ज्वेलर्स शॉप के सामने की करीब 500 मीटर सड़क को ही पहले फेज में नो व्हीकल जोन बनाएंगे। यहां सड़क जाम ज्यादा रहती है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने कांशीराम की पुण्यतिथि मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय सोशलिस्ट मंच के सेक्टर-11 स्थित प्रदेश कार्यालय पर मा. कांशीराम की पुण्यतिथि मनाई गई। इसके उपरांत भारतीय

यति नरसिंहनंद की टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

सोशलिस्ट मंच ने पैगंबर मोहम्मद साहब पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर डासना देवी के महंत व जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहनंद के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह राजपूत ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब पर दिये गये यति नरसिंहानंद बयान की भारतीय सोशलिस्ट मंच कड़े शब्दों में निंदा करता है। यति नरसिंहनंद का बयान भारतीय संविधान व भारतीय संस्कृति और तहजीब के खिलाफ है। प्रदेश प्रभारी देवेन्द्र सिंह अवाना उन्होंने कहा कि भारत का स्वभाव माता का है दुनियां का कोई भी देश या धर्म अपने अस्तित्व में **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
फ़ोन .08750611103

सत्ताधीशों को आईना

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये राहतकारी है जो राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर होने पर दमन का शिकार बने। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं। ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की। शीर्ष अदालत ने इस तरह उन सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया जो आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे। बाकायदा संसद में विपक्षी सांसद अखबार की प्रतियां लहराकर खुली बहस की मांग किया करते थे। यही वजह है कि हालिया टिप्पणी के दौरान शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े संविधान के अनुच्छेद की याद दिलायी। इस तरह कोर्ट ने बेबाकी से सत्ता की निरंकुशता के खिलाफ मुखर रहे पत्रकारों को संबल ही प्रदान किया है। यह विडंबना है कि कई राज्यों में सत्ताधीशों ने तल्ख आलोचना, कार्टून बनाने तथा सोशल मीडिया पर की गई आलोचना को लेकर दुराग्रह दिखाया। इसमें मुकदमे दर्ज करने , गिरफ्तारी और जेल के सीखचों के पीछे डालने के मामले भी सामने आए। राजनेताओं में अब आलोचना के प्रति वह सहिष्णुता नजर नहीं आती, जो समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं की अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि राजनेता किसी आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद आक्रामक मुद्रा में आ जाते हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। विगत के वर्षों में शीर्ष अदालत व्यापक संदर्भों में कह चुकी है कि सरकार की आलोचना करने को राष्ट्रद्रोह की संज्ञा नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद निरंकुश सत्ताधीश अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति सदियों से चली आ रही है कि जो कुछ सरकारें जनता से छिपाना चाहती हैं, उसे उजागर करने वालों को अपना दुश्मन मान लेती हैं। फिर साम-दाम-दंड-भेद से उस आवाज को खामोश करने में लग जाती हैं। धीरे-धीरे सरकारें आलोचनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने लगीं। दरअसल, सत्ताधीशों को ढोल की पोल खुलने का भय सताता रहता है। दुनिया के सभ्य समाजों व जागरूक लोकतंत्रों में आलोचना को स्वीकार करने की समृद्ध परंपराएं विद्यमान हैं। इसी से किसी देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं, सामाजिक विकास और उन्नति का मूल्यांकन किया जाता है। यह अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करती हैं। विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश में आम जनमानस को इतना जागरूक नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो करना चाहते हैं,लेकिन सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि दक्षसुता सतीजी इस प्रकार बहुत दुःखित थीं, उनको इतना दारुण दुःख था कि जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। सत्तासी हजार वर्ष बीत जाने पर अविनाशी शिवजी ने समाधि खोली॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

राम नाम सिव सुमिरन लागे। जानेउ सतीं जगतपति जागे॥
जाइ संभु पद बंदनु कीन्हा। सनमुख संकर आसनु दीन्हा॥
शिवजी रामनाम का स्मरण करने लगे, तब सतीजी ने जाना कि अब जगत के स्वामी (शिवजी) जागे। उन्होंने जाकर शिवजी के चरणों में प्रणाम किया। शिवजी ने उनको बैठने के लिए सामने आसन दिया॥
लगे कहन हरि कथा रसाला। दच्छ प्रजेस भए तेहि काला॥
देखा बिधि बिचारि सब लायक। दच्छहि कीन्ह प्रजापति नायक॥
शिवजी भगवान हरि की रसमयी कथाएँ कहने लगे। उसी समय दक्ष प्रजापति हुए। ब्रह्माजी ने सब प्रकार से योग्य देख-समझकर दक्ष को प्रजापतियों का नायक बना दिया॥
बड़ अधिकार दच्छ जब पावा। अति अभिनामु हृदयँ तब आवा॥
नहिं कोउ अस जनमा जग माहीं। प्रभुता पाइ जाहि मद नाहीं॥
जब दक्ष ने इतना बड़ा अधिकार पाया, तब उनके हृदय में अत्यन्त अभिमान आ गया। जगत में ऐसा कोई नहीं पैदा हुआ, जिसको प्रभुता पाकर मद न हो॥

(क्रमशः...)

Israel पर Hamas के भीषण आतंकी हमले का एक वर्ष पूरा

इजराइल पर हमास के भीषण आतंकी हमले को आज एक साल पूरा हो गया। इजराइलियों ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को याद किया और बंधकों की शीघ्र रिहाई के लिए प्रार्थना की। हम आपको याद दिला दें कि एक साल पहले हमास के आतंकवादियों ने 7 अक्टूबर को इज़राइल में रॉकेट हमलों के अलावा जमीनी हमले भी किये थे। हमास के आतंकवादियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और लगभग 250 बंधकों को वह गाजा ले गए थे। इसी हमले की याद में यरूशलम में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर के बाहर, बंधकों के परिवारों के नेतृत्व में लगभग 300 लोगों ने अपने प्रियजनों की तस्वीरें लेकर मृतकों के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम अभी भी पिछले साल हुए हमले के गम में हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम खुद को, अपने प्रधानमंत्री को और इज़राइल की जनता को यह याद दिलाने के लिए इस दिन की शुरुआत एक साथ करना चाहते थे कि भले ही यह दु:ख का दिन है, फिर भी बंधकों को वापस लाने का हमारा मिशन जिंदा है।

इसके अलावा, रीम स्थित संगीत समारोह स्थल जहां 360 से अधिक लोग मारे गए थे और दर्जनों को बंधक बना लिया गया था, वहां आयोजित कार्यक्रम की राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने अध्यक्षता की। यहां समारोह में एक साल पहले पार्टी में बजाए गए आखिरी ट्रैक को फिर बजाया गया। राष्ट्रपति हर्ज़ोग ने कहा, ‘हम हमेशा याद रखेंगे कि किसने अपहरण किया, किसने हत्या की, किसने बलात्कार किया, किसने कत्लेआम किया। साथ ही, हमने असाधारण धैर्य भी देखा है। हमारे पास अद्भुत लोग हैं और हम मजबूती के साथ खड़े हैं।

हम आपको बता दें कि इजराइली सेना और पुलिस ने कहा है कि सुरक्षा बल आज पूरे देश में हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि उन्हें 7 अक्टूबर, 2023 की सालगिरह के दिन संभावित फिलिस्तीनी हमलों की आशंका थी। रिपोर्टों के मुताबिक, इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में आवाजाही आज बाधित है साथ ही प्रवेश परमिट रखने वाले कुछ फिलिस्तीनियों को उनके मोबाइल फोन पर नोटिस मिला है कि उन्हें सोमवार को इज़राइल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हम आपको बता दें कि गाजा में 101 इजराइली अब भी बंधक बने हुए हैं। इजराइली सेनाएं क्षेत्र पर हमास के शासन को खत्म करने और उसकी सैन्य क्षमताओं को ध्वस्त करने के अपने मिशन पर लगातार आगे बढ़ रही हैं। लेकिन युद्ध का ध्यान तेजी से उत्तर की ओर लेबनान में स्थानांतरित हो गया है, जहां ईरान समर्थित हिज्बुल्ला समूह द्वारा मिसाइलों की बौछार शुरू करने के बाद से इजराइली सेना गोलीबारी कर रही है। सीमित दैनिक संघर्ष के रूप में जो चीज शुरू हुई थी वह बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर बमबारी और सीमावर्ती गांवों में जमीनी हमले में बदल गयी।

वैसे देखा जाये तो क्षेत्रीय युद्ध अब लगभग शुरू हो चुका है। लगभग एक वर्ष पहले गाजा में शुरू हुआ संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल चुका है। इजराइल अपनी सीमा से दूर देशों और समूहों से लड़ रहा है, जिसके कई वैश्विक परिणाम भी हैं।

इजराइल के हमले में पिछले दो हफ्तों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हो गया है, जहां 1 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल ने 1 अक्टूबर को दूसरे ईरानी हमले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उसने कड़ी प्रतिक्रिया देने की कसम खाई है। इजराइली हवाई हमलों में हमास और हिजबुल्ला नेताओं के मारे जाने के जवाब में ईरान ने जब इस सप्ताह इजराइल पर 180 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल दागीं थीं तो कुछ लोग तेहरान की इस जोरदार प्रतिक्रिया को देखकर दंग रह गये। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने तुरंत एक निश्चित समय पर कठोर जवाबी कार्रवाई की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि देर रात जब उनके सुरक्षा मंत्रिमंडल ने एक बैठक की तो उसमें तय हुआ कि जो कोई भी हम पर हमला करेगा, हम उस पर हमला करेंगे। इसलिए यह देखना जरूरी हो जाता है कि इजराइल की जवाबी कार्रवाई कैसी हो सकती है और क्या ईरान व इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत हो सकती है या फिर अमेरिका अपने वादे के अनुरूप इजराइल के लिए युद्ध में शामिल हो सकता है?

वैसे देखा जाये तो क्षेत्रीय युद्ध अब लगभग शुरू हो चुका है। लगभग एक वर्ष पहले गाजा में शुरू हुआ संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल चुका है। इजराइल अपनी सीमा से दूर देशों और समूहों से लड़ रहा है, जिसके कई वैश्विक परिणाम भी हैं। ईरान द्वारा किये गये हमले से ये साफ है कि यह संघर्ष एक तरफ इजराइल व उसके पश्चिमी सहयोगियों और दूसरी तरफ रूस व चीन द्वारा समर्थित ईरान और उसके सहयोगियों के बीच सीधा टकराव बन गया है। अमेरिका ने इजराइल को सैन्य और कूटनीतिक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जबकि रूस ने ईरान को लड़ाकू विमान और वायु रक्षा तकनीक भेजने का वादा किया है। रूस, यूक्रेन के साथ अपने युद्ध के लिए ईरान से हथियार भी खरीद रहा है, जिससे तेहरान को बहुत जरूरी नकदी प्राप्त हो रही है।

दूसरी ओर, इजराइल कई मोर्चों पर जंग लड़ रहा है। सबसे पहले इजराइल और गाजा के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध में 40,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। हमास एक गुरिल्ला संगठन बन चुका है हालांकि अब भी विस्थापित फलस्तीनी आबादी पर उसका कुछ नियंत्रण है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) वेस्ट बैंक में बढ़ती आतंकी घटनाओं से पार पाने के लिए ईरान द्वारा मुहैया हथियारों और वित्तपोषित स्थानीय आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है। इस बीच इराक व सीरिया में शिया उग्रवादी और यमन में हूती विद्रोही अभी भी इजराइल के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि शिया और हूती ईरान के अन्य छद्म समूह हैं। वहीं इजराइल और अमेरिका दोनों ने यमन में हूती विद्रोहियों पर जवाबी हमला किया है।

इजराइल ने दो सप्ताह पहले एक निर्णायक कदम उठाते हुए हिज्बुल्ला द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हजारों पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोट करने का आदेश दिया क्योंकि नेतन्याहू को डर था कि इस ऑपरेशन के उजागर होने का खतरा है। इसके बाद इजराइली सेना ने हिज्बुल्ला के एक शस्त्रागार को नष्ट करने के उद्देश्य से एक बड़े पैमाने पर हवाई अभियान चलाया। इस शास्त्रागार में 150,000 मिसाइलों, रॉकेट और ड्रोन होने का अनुमान था। इजराइली हमले के परिणामस्वरूप लगभग दस लाख लेबनानी लोगों को अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

और अब ईरान भी सीधे तौर पर जंग में शामिल हो चुका है तो एक चीज जो तेहरान को बहुत चिंतित कर रही है वह यह है कि इजराइल, अमेरिका के साथ मिलकर उसके महत्वपूर्ण ठिकानों या फिर सुविधा केंद्रों को निशाना बना सकता है। ईरान को उसके संचार और परिवहन नेटवर्क, वित्तीय संस्थान और तेल उद्योग पर हमले की आशंका हैं। इससे ईरान के भीतर अराजकता पैदा हो सकती है, जिससे सरकार को खतरा हो सकता है। वैसे तेहरान में सत्ता परिवर्तन बेहद मुश्किल है लेकिन ईरानी नेतृत्व फिर भी कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। तेहरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को किसी भी अनहोनी का शिकार होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। ईरानी नेताओं को डर सता रहा है कि इजराइल और अमेरिका इस अवसर का फायदा उठाकर उसके परमाणु ठिकानों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं।

-नीरज कुमार दुबे

देश के मुसलमान अब बहकावे में नहीं आते

देश के मुसलमानों को गुमराह करने और भड़काने की कोशिशें अब नाकाम होने लगी हैं। मुसलमानों को शायद समझ आ गया है कि किस तरह राजनीतिक षड्यंत्रों से दूर रह कर अपने विकास पर ध्यान देना है। यही वजह है कि देश के मुसलमानों ने राजनीतिक दलों के नेताओं, मुल्ला-मौलवियों और हिंदुत्व के कट्टर समर्थकों के उकसावे वाले बयानों को गंभीरता से नहीं लिया। मुसलमानों को यह भी समझ में आ गया है कि चंद सिरफिरों की देशविरोधी हरकतों का समर्थन करने से उनकी कौम का नुकसान होगा। यही वजह है कि हाल ही में हिजबुल्ला के कट्टर आतंकवादी और सर्वोच्च रणनीतिकार हसन नसरुल्लाह के खात्मे के बाद देश से व्यापक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इसी तरह हमास और इजराइल युद्ध के दौरान मारे फिलीस्तिनियों को लेकर भी कमोबेश यही रुख कायम रहा। कश्मीर के कुछ इलाकों में सिरफिरों ने हिजबुल्लाह आतंकवादी हसन नसरुल्ला के मरने पर जरूर विरोध प्रदर्शन किया, किंतु देश के बाकी हिस्सों में शांति बनी रही। इसराइल-फिलिस्तीन युद्ध में केंद्र सरकार ने हमास की कड़ी निंदा की। मोदी सरकार इसराइल के साथ खड़ी नजर आई। इसराइल के खिलाफ भारत में बयानबाजी जरूर हुई, किन्तु ब्रिटेन और अमरीका की तरह कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। गौरतलब है कि इन दोनों देशों में इसराइल के खिलाफ जबरदस्त रैलियां निकाली गई, धरने-प्रदर्शन किए गए। अमरीका में काफी बवाल हुआ। अमरीकी विश्वविद्यालय राजनीति का अखाड़ा बन गए। विश्वविद्यालयों पर पुलिस कार्रवाई की नौबत आ गई। मानवाधिकार और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का पाठ दुनिया को पढ़ाने वाले अमरीका की खूब किरकिरी हुई। कमोबेश यही हाल ब्रिटेन का हुआ। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों से निपटने में ब्रिटिश सरकार के हाथ-पैर फूल गए। यूरोप के कुछ देशों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। इजराइल ने हमास के सर्वोच्च राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया को ईरान के दौरे के दौरान विस्फोट से उड़ा दिया। इस पर कई देशों में व्यापक प्रतिक्रिया हुई, किन्तु भारत में कहीं भी कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। आश्चर्य की बात यह है कि भारत और विश्व के मुस्लिम जगत से जुड़े मुद्दों को लेकर देश के मुसलमानों ने चुनिंदा स्थानों पर प्रतीकात्मक प्रतिक्रिया जताई, किन्तु कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने जमकर उछलकूद मचाई। मुसलमानों ने ऐसे मुद्दों को ज्यादा महत्व नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35-ए हटाए जाने के बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने मुसलमानों का सच्चा हितैषी साबित करने के लिए जमकर विरोध किया। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नेशनल कान्फ्रेंस से चुनावी गठबंधन किया। शेख अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस ने चुनावी घोषणा में धारा-370 को वापस लाने का ख्याली पुलाव पकाया है। कांग्रेस हिंदू वोटों की नाराजगी के डर से इस पर चुप्पी साधे हुए है। देश के मुसलमानों को यह समझ आ गया है कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उनके हितों पर कोई असर डालने वाला नहीं है। यह मुद्दा देश के आम मुसलमानों का नहीं है। यह पाक परस्त आतंकवाद से जुड़ा हुआ मामला है। केंद्र सरकार ने तीन तलाक को खत्म कर दिया। मुस्लिम महिलाओं से जुड़े तीन तलाक के मुद्दे पर भी देश में सिर्फ लखनऊ और पुणे में विरोध प्रदर्शन हुआ। यह प्रदर्शन भी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर हुआ। देश में अन्य हिस्सों में मुसलमानों ने इस पर कोई व्यापक प्रतिक्रिया नहीं जताकर पर्सनल लॉ बोर्ड के इरादों को विफल कर दिया। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) 11 दिसंबर 2019 को भारत की संसद द्वारा पारित किया गया था। इसने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता प्रदान करके नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन किया। भारत में 2014 तक पात्र अल्पसंख्यकों को हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई बताया गया। सीएए के तहत देश के स्थायी निवासी मुस्लिम समुदाय को छोड़कर तीन मुस्लिम बहुल पड़ोसी मुल्कों से आने वाले बाकी धर्मों के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान है। सीएए के विरोध में मुद्दे पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने खूब हंगामा किया।

इस कानून के तहत यह साफ जाहिर था कि देश में लंबे अर्से से रहने वाले मुसलमानों को इसके दायरे में शामिल नहीं किया गया है। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने इस पर जबरदस्त विवाद पैदा करके मुसलमानों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया। इस मुद्दे पर कई दिनों तक वाद-विवाद हुआ। आखिरकार देश के मुसलमानों को समझ में आ गया कि सीएए से उनका कोई सरोकार नहीं है। यह कानून सिर्फ बाहर से आए अवैध मुसलमानों पर लागू होगा। यही वजह रही कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों का देश के मुसलमानों ने साथ नहीं दिया। विपक्षी दल ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी ने भी मुसलमानों को उकसाने में कसर बाकी नहीं रखी। गैरजरूरी मुद्दों को हवा देकर भाजपा ने राजनीतिक ध्रुवीकरण का प्रयास किया। कुछ महीने पहले भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को मालिकों और कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने इस विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी। न्यायालय ने कहा कि प्रावधानों के समर्थन के बिना, यदि निर्देश को लागू करने की अनुमति दी जाती है, तो यह भारत गणराज्य के धर्मनिरपेक्ष चरित्र का उल्लंघन होगा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपराधियों और कानून-व्यवस्था भंग करने वाले आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवाने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश की चपेट में ज्यादातर मुसलमान ही आए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। कोर्ट का कहना है कि सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही एक्शन होगा। कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर राज्यों को निर्देश देते हुए कहा है कि बुलडोजर न्याय का महिमामंडन बंद होना चाहिए।

कानूनी प्रक्रिया के तहत ही अतिक्रमण हटाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि मौके-बेमौके राजनीतिक दलों के निहित स्वार्थों पर सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेरा है। अदालतों के ऐसे आदेशों से देश के मुसलमानों का भरोसा मजबूत हुआ है। यही वजह है कि मुसलमानों ने ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के उकसावे के प्रयासों का खामोशी से जवाब दिया। सोशल मीडिया पर लव जेहाद जैसे आरोप या फिर किसी सामान्य घटना को सांप्रदायिक रंग देने के प्रयासों को भी मुसलमानों ने शांति और सौहार्द रख कर विफल कर दिया। इससे साफ जाहिर है कि देश के मुसलमान अब परिपक्व हो चुके हैं और फालतू के भावनात्मक और धार्मिक बहकावे में नहीं आते हैं। दरअसल मुसलमानों को सुरक्षा का एहसास दिलाने में सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुसलमानों ने न्यायिक फैसलों का सम्मान किया है। असम के सीएम हेमंत विश्व सरमा मुसलमानों के खिलाफ मौके-बेमौके बयानबाजी करते रहे हैं। इसी तरह सोशल मीडिया पर बेवजह की बहस की जाती रही है। इसके बावजूद देश के मुसलमानों ने ठंडा रुख रखा, कोई ऐसी प्रतिक्रिया नहीं दी जिससे कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती उत्पन्न हो।

-योगेंद्र योगी

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : षष्टी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य आपका अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। जबकि आराम-तलब चीजें लग्जरी आइटम की बढ़ोत्तरी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जो भी आपने सोचा है, उसे व्यावसायिक रूप से लागू करें। लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक भी बढ़ेगा, लेकिन खर्च की अधिकता हो सकती है। अगर खर्च किया, तो नुकसान भी होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पॉजिटिव ऊर्जा आपके अंदर बहुत अच्छी चल रही है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा चल रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता रहेगी। मन परेशान रहेगा। फिर भी एक रौब और रुआब आपके अंदर बना रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। सिर दर्द,नेत्र पीड़ा संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक, व्यापारिक संतुलन बनेगा। तरक्की करेंगे। जो भी सरकारी तंत्र है, कोर्ट-कचहरी है, राजनीतिक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं एक दिन बस, उसके बाद सबकुछ अच्छा हो जाएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

भगवान राम की लीलाएं अपरंपार है : नागर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य ने बताया कि कल श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर में रामलीला मंचन पर बतोर मुख्यतिथि पूर्व प्रदेश कैबिनेट मंत्री एमएलसी अशोक कटारिया एवं दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर रहे।

रामलीला मंचन आरती की शुरुवात से हुई और भगवान राम का पंचवटी आगमन शूर्पणखां की नाक काटना खरदूषण वध रावण द्वारा शिव पूजन सीता लक्ष्मण संवाद सीता हरण जटायु मरण राम लक्ष्मण द्वारा सीता जी खोज प्रसंग रामलीला में मंचन करने आये कलाकारों के ज़रिये बढ़े ही मार्मिक ढंग से दृश्य प्रस्तुत किया गया दर्शकों ने बड़े ही भाव विभोर होकर कलाकारों की कलाकारी को सराहा रामलीला मैदान बराही मंदिर पर आयोजित रामलीला में पूर्व प्रदेश मंत्री अशोक कटारिया ने कहा कि रामलीलाओं के माध्यम से भगवान राम के आदर्श जीवन से पिता पुत्र का प्यार भाई को भाई का आदर भाव एक दूसरे का समर्पण भगवान राम की लीलाओं में अनंत मर्यादित बातें है दादरी

विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि भगवान राम की लीलाएँ अपरंपार है उन्होंने अराजकता राक्षसों का वध कर शांति स्थापित की और जब राम अवध के राजा बने तब उनके राज में कभी किसी घर में ताले नहीं लगते थे भगवान राम ने मर्यादित रहते हुए कार्य किये आदर्श रामलीला अध्यक्ष सतवीर भाटी जी ने कहा मेला और रामलीला मंचन देखने के लिये रोज़ भारी संख्या में दर्शक पहुँच रहे है मेले में बच्चे झूला झूलने से लेकर खाने के लिए स्वादिष्ट व्यंजन का आनन्द लिया और आये हुए श्रद्धालु भक्त मेले में ख़रीदारी घरेलू सामनों के स्टालों से ख़रीद रहें है रामलीला कमेटी महासचिव सत्यपाल शर्मा ने बताया कि मेला और रामलीला मंचन बड़े ही व्यवस्थित रूप से चल रहा है मेले की व्यवस्था और मेले में आये हुए रामलीला मंचन देखने के लिये दूर दराज से आये लोगों को कार पार्किंग व्यवस्था के साथ लोगो के लिये सुरक्षा व्यवस्था पुलिस प्रशासन (मेला पुलिस चोकी)और श्री आदर्श रामलीला के पदाधिकारी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य में लगे है। रामलीला मंचन पर मुख्यरूप से अध्यक्ष सत्यवीर भाटी, भूदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, महासचिव सत्यपाल शर्मा, ओमवीर बैसला, अनिल भाटी, लक्ष्मण सिंघल, अजय शर्मा एडवोकेट, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, मनोज अग्रवाल राजू मदान सुखवीर भाटी मोहन गर्ग सह मीडिया प्रभारी मोहित शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, बिजेंद्र मुदग़ल, सचिन जिन्दल सुभाष शर्मा निखिल गर्ग सौरभ गोयल मयंक गोयल राजेश ठेकेदार, विनोद भाटी, रघुवीर सिंह जेसीबी वाले, विनोद पंडित, अशोक शर्मा, केडी गुर्जर , अमन त्यागी, अवनेन्द्र यादव, चेतन शर्मा, अनिल आर्य, रविन्द्र मास्टर, शिव किशोर विशाल कुमार सुभाष शर्मा जीन्स वाले चेतन शर्मा अरुण शर्मा नवीन देवधर ओमपाल ठाकुर डॉक्टर ओमप्रकाश शर्मा योगेश अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

महापड़ाव की तैयारी के लिए किया प्रचार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 14 अक्टूबर के कलेक्ट्रेट पर महापड़ाव की तैयारी के लिए किसान सभा के जिला कमेटी के कार्यकर्ताओं ने ग्राम थापखेड़ा, जुनपत, घोड़ी में व्यापक प्रचार किया एवं नुक्कड़ सभाएं की।

किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन जानबूझकर हाई पावर कमेटी की सिफारिशें जाहिर नहीं करना चाहते जिससे कि किसान अपने हक की मांग ना करें, आंदोलन को खत्म करने की साजिश प्रशासन और सरकार की है।

जिला सचिव सुशील सुनपुरा ने संबोधित करते हुए कहा कि लड़ाई आर पार की है सर्किल रेट का 4 गुना मुआवजा नए कानून के अनुसार 20 प्रतिशत प्लॉट रोजगार का हक पाकर ही दम लेंगे। सुरेंद्र इनायतपुर ने कहा की भूमिहीनों की दुकानों का हक लिखित में प्रस्ताव पास होकर किया जा चुका है परंतु प्राधिकरण ने अभी तक दुकानों का आवंटन नहीं किया है दुकानों का आवंटन कर कर ही आंदोलन खत्म होगा।

इस अवसर पर सुशील संजय जोगिंदर प्रधान नरेश नागर सुरेश यादव विजय यादव सुरेंद्र पंडित शिशांत भाटी मोनू मुखिया सुरेंद्र इनायतपुर मनोज यादव करण सिंह नागर देशराज राणा ओम दत्त पंडित मुकुल चौहान अमित इमलिया संदीप भाटी मोहित नागर एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने दी प्रधानमंत्री को बधाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. दीपक

कुशवाहा ने हरियाणा में एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सत्तासीन होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में 70 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने कहा कि अब परिवारवाद का नारा देकर काम चलने वाला नहीं है यदि कोई विकास नहीं करेगा तो उसे जनता सत्ता नहीं सौंपेगी।

उन्होंने कहा कि जनता अब केवल विकास पर विश्वास रखती है और यही कारण है कि हरियाणा में जनता ने विकास के मुद्दे पर वोट दिया है।

मेरठ में 16 से विशाल अखिल भारतीय कृषक मेले का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ में 16 से 18 अक्टूबर 2024 के बीच एक अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है ।

प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस मेले के मुख्य आकर्षण रबी फसलों के उन्नतशील प्रजातियों के बीज़ की बिक्री, फलदार प्रजातियों के पौधों की बिक्री, कृषि तथा कृषि से संबंधित विभिन्न विधाओं के नवीनतम तकनीकी जैसे ड्रोन का सजीव प्रदर्शन, कृषि प्रशिक्षण,किसान गोष्ठी तथा चौपाल हैं।

किसान मेले के प्रमुख आयोजक, निदेशक प्रसार, डॉ. पी. के. सिंह द्वारा बताया गया की मेले में कृषकों हेतु विशेष रूप से फल फूल, शाक-भाजी, एवं परिरक्षित पदार्थ की प्रतियोगिता, पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के. के. सिंह द्वारा मेले में देश भर से आने वाले कृषकों,उद्यमियों तथा छात्र-छात्राओं हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए गए हैं ।

विश्वविद्यालय से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र, गौतम बुद्ध नगर के प्रभारी अधिकारी डॉ विपिन कुमार ने गौतम बुद्ध नगर जिले के कृषक एवं कृषक महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में किसान मेले में प्रतिभाग कर कृषि, उद्यान, महिला सशक्तिकरण, मृदा एवं जल परीक्षण, मत्स्य पालन, बागवानी एवं पशुपालन संबंधी जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गौतम बुद्ध नगर द्वारा 11 अक्टूबर को महानवमी के अवकाश के संबंध में सचिव उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा व जिला मंत्री गजन भाटी ने बताया कि सचिव बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यालय के पत्र 29 /12/ 23 द्वारा जारी अवकाश तालिका में शारदीय नवरात्र की महानवमी और विजयदशमी का अवकाश एक ही तिथि 12 अक्टूबर 2024 को दर्शाया गया है। जबकि हिंदू मान्यताओं/पंचांग के अनुसार महानवमी का व्रत 11 अक्टूबर को है और अधिकतम शिक्षक शिक्षिकाएं इस दिन उपवास रखती हैं पिछले वर्ष भी महानवमी का अलग से अवकाश था इसलिए सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज से अनुरोध किया गया है कि 11 अक्टूबर को महानवमी का अवकाश घोषित किया जाए।

पृष्ठ एक के शेष....

बच्चे के इलाज में ....

आप बच्चे के हाथ में प्लास्टर चढ़वा लीजिए। वह बाहर से कराए हुए एक्स-रे तथा अपने बच्चों को लेकर सेक्टर 12 स्थित डॉक्टर पिपलानी के क्लीनिक पर पहुंच गए। पहले तो डॉक्टर ने बोला की प्लास्टर चढ़ाने की जरूरत नहीं है। फिर बाद में प्लास्टर चढ़ाने की बात पर वह भी राजी हो गए । लेकिन उन्होंने कहा कि यह प्लास्टर एक सप्ताह के लिए नहीं बल्कि 3 सप्ताह के लिए चढ़ेगा। पीड़ित ने बताया कि करीब 6000 से ज्यादा रुपए डॉक्टर पिपलानी ने मुझे लिया। लेकिन बच्चें के हाथ में प्लास्टर चढ़ाते समय न कोई पाउडर न ही कोई दवा या लोशन का इस्तेमाल किया गया सिर्फ गीली पट्टी बांध दी गई। मैं बच्चे को घर लेकर आया तो उसके हाथ में खुजलाहट व दर्द शुरू हो गया।

मैं बेटे को लेकर फिर डॉक्टर के पास गया और इस मामले की जानकारी दी। तब उन्होंने बोला कि यह प्लास्टर खोलकर फिर से बांधना पड़ेगा। लेकिन इसका पूरा खर्च तुम्हें दोबारा से देना पड़ेगा। मैंने बोला कि यह गलती तो आपकी है तो दोबारा हमसे क्यों खर्च लिया जाएगा। इस बात पर वह भड़क गए और मेरे साथ बदसलूकी करने लगे। बोले अब मैं तुम्हारे बच्चे का इलाज नहीं करूंगा जिससे शिकायत करनी हो कर लो। इसके बाद कैलाश अस्पताल में इलाज करवाया तथा लाभ मिला। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने नोएडा डीएम व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नाम लिखित शिकायत पत्र दिया है।

सेक्टर-18 में सुबह ...

इसके बाद अन्य सड़कों को देखा जाएगा। ये काम छह महीने में पूरा किया जाएगा। इस सेक्टर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

स्कूटी में मारी टक्कर....

हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दोनों को सड़क पर लहू लुहान पड़ा देखकर किसी राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान बुलबुल सिंह की मौत हो गई जबकि राजीव कुमार सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। थाना फेस तीन प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल कर दुर्घटना के आरोपी चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

45 करोड़ की लागत....

उन्होंने बताया कि नोएडा में वर्तमान में 450 एमएलडी पानी की डिमांड है। इसमें 240 एमएलडी गंगाजल और करीब 110 एमएलडी नलकूप और 100 एमएलडी रैनीवेल का पानी मिलाकर सप्लाई किया जा रहा है। 35 करोड़ की लागत से बन रही 37.50 क्यूसैक गंगाजल परियोजना का काम पूरा हो चुका है। 259 करोड़ से बन रही 80 क्यूसेक गंगाजल की लाइनों की कमिशिनिंग का काम किया जा रहा है। इस परियोजना से 20 सेक्टरों में पानी की सप्लाई की जा रही है।

सिरफिरे युवक ने ....

परिजनों ने सोनू के परिजनों से बात कर सारी हकीकत बताई। इसके बाद सोनू के परिजनों ने माफी मांग कर आश्वासन दिया कि भविष्य में उनका बेटा उसे परेशान नहीं करेगा। लोक लज्जा की वजह से उसने इस मामले में उस वक्त कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

विमलेश के मुताबिक 17 जुलाई 2024 को सोनू ने नाम बदलकर एक और इंस्टाग्राम आईडी बनाई और उसे दोबारा गंदे गंदे मैसेज करने शुरू कर दिए। सोनू उसे मिलने के लिए बुलाने का भी दबाव डालने लगा। पीड़िता का आरोप है कि सोनू रास्ते में आते-जाते समय लगातार उसका पीछा करता था। सोनू की हरकतें बढ़ने पर उसने फिर अपने पति को उसकी करतूत के बारे में बताया। 18 जुलाई को सोनू ने उसे मैसेज कर गांव के बाहर मिलने के लिए बुलाया। उसने इस बात की जानकारी अपने पति व परिजनों को दी। विमलेश का कहना है कि वह अपने पति-पिता व भाई के साथ सोनू के बताए गए स्थान पर पहुंची तो उसने कार से दोनों को कुचलने की कोशिश की। इस दौरान सोनू ने फोन कर मौके पर अपने भाई मोनू ,प्रिंस, दोस्त अमित उर्फ भोलू तथा दिनेश को भी बुला लिया। इन लोगों ने उसके पिता व भाई के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान उसके पिता बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। विमलेश के मुताबिक उसके पिता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले की शिकायत थाना बादलपुर में की गई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि पुलिस द्वारा सुनवाई न किए जाने पर उसने न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की याचिका दायर की। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

लूट, चोरी में वांछित ....

इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम मोहम्मद शाहनवाज उर्फ शालू पुत्र मुस्ताक निवासी जनपद अलीगढ़ बताया। इसके पास से 24500 रुपए, पैन कार्ड, तमंचा, कारतूस बरामद हुए। शाहनवाज ने बताया कि उसके पास से बरामद बाइक भी चोरी की है। पूछताछ के दौरान शाहनवाज ने बताया कि उसने 28 अगस्त को अपने साथी दिलशाद उर्फ गोलू, आमिर, अलीम, विकास उर्फ किंगकोंग, रोहित उर्फ बॉबी, मोहसिन तथा शकील के साथ मिलकर सरस्वती एंक्लेव के एक घर में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस दौरान मकान मालिक के आ जाने के बाद वह तमंचा दिखाकर वहां से भाग गए थे। शाहनवाज ने बताया कि यहां से लूटे गए सोने चांदी के आभूषणों को उन्होंने दिल्ली में बेच दिया और पैसे आपस में बांट लिए थे।

शाहनवाज ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी व लूट की वारदातों को अंजाम देता है। 25 अगस्त की रात्रि को भी उसने कुलेसरा पुस्ता रोड परशुराम विहार में गोदाम में ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया था। पूर्व में पुलिस ने उसके दो साथी आमिर, दिलशाद उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर लिया था जबकि वह लोग फरार हो गए थे। शाहनवाज के मुताबिक उसने 10 अगस्त को अपने साथी मोहसिन व शकील के साथ मिलकर ग्लोबल इलेक्ट्रिक एंड कंट्रोल कंपनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। यहां से उन्होंने कॉपर के तार व वायर चोरी किए थे। उन्होंने वह सारा सामान मोहसिन कबाड़ी को बेच दिया था। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी के पास से बरामद बाइक सेक्टर 82 से चोरी की गई थी। इस संबंध में थाना फेस-2 में मुकदमा पंजीकृत है। मुकदमे में वांछित चलने के कारण शाहनवाज पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

लकी ड्रा में निकले....

रुपए की धनराशि के साथ एयरपोर्ट पर फंसा हुआ है। इतनी बड़ी धनराशि के साथ उसे कस्टम वालों ने पकड़ रखा है।

अमनप्रीत ने कथित रूप से जब्त की गई रकम व खुद को छुड़ाने के लिए उसकी पत्नी से 35 हजार रुपए की मांग की। उसकी पत्नी को विश्वास में लेकर उसने अनुराग कपूर के खाते में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। बिशन सिंह के मुताबिक उसकी पत्नी ने अपने गहने गिरने रखकर साइबर कैफे से उक्त खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद कई लोगों ने एयरपोर्ट पुलिस अधिकारी बनकर उसकी पत्नी को फोन कर अमनप्रीत व जप्त रूपयों को छोड़ने की एवज में और पैसे देने की मांग की। इन लोगों की बातों में आकर उसकी पत्नी ने आकाश वर्मा, मनीषा कुमारी, अखिलेश कुमार, अकरम, अनुराग कुमार, नूर आलम सहित 10 लोगों के खातों में करीब चार लाख 70 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। बिशन सिंह के मुताबिक और पैसे ना मिलने पर आरोपियों ने उसकी पत्नी को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर डराने धमकाने का प्रयास किया। इसके बाद उसकी पत्नी ने 30 मार्च 2024 को अपने साथ हुई ठगी की जानकारी उसे दी। बिशन सिंह के मुताबिक रवि उर्फ अमनप्रीत व उसके साथी संगठित गिरोह बनाकर साइबर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल....

के बारे में जानकारी दी गई। मोटरसाइकिल सवार तीनों व्यक्तियों द्वारा ककराला पुस्ता पर दोनों तरफ से अपने आपको घिरताा देखकर भागने का प्रयास किया गया तो उनकी मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई जिस पर दो व्यक्तियों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गये।

घायल बदमाशों की पहचान सन्दीप उर्फ लक्की पुत्र अजब सिंह निवासी ग्राम घिदौडा, थाना बागपत, जिला बागपत वर्तमान पता 25 फुटा रोड, लोनी, गाजियाबाद उम्र 28 वर्ष व सोनू उर्फ चटनी पुत्र नवाब अली निवासी 20 फुटा रोड़, सरस्वती विहार, थाना लोनी गाजियाबाद मूल पता ग्राम निरोज पुर, थाना बागपत, जिला बागपत उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। घायल बदमाशो के कब्जे से 2 अवैध तमंचे 315 बोर मय नालों में फंसे 2 खोखा कारतूस 315 बोर व 2 जिन्दा कारतूस 315 बोर, चोरी की मोटरसाइकिल पैशन प्रो बिना नम्बर प्लेट व कुल 62 मोबाइल फोन बरामद हुए है। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। मुठभेड के दौरान फरार बदमाश शमशाद पुत्र नसीर अहमद निगोरा रोड कच्ची कॉलोनी गाजियाबाद को काम्बिंग मे गिरफ्तार किया गया है।

अभियुक्त सोनू उर्फ चटनी व सन्दीप उर्फ लक्की व शमशाद उपरोक्त शातिर किस्म के अपराधी है, जो घुमफिरकर एनसीआर क्षेत्र में घरो एंव दुकानो से व राह चलते लोगो के मोबाइल चोरी करना, मोटरसाइकिल चोरी करना और अवैध शराब की तस्करी करना आदि आपराधिक कुकृत्यो में लिप्त है। अभियुक्त सोनू उर्फ चटनी थाना लोनी, गाजियाबाद से हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

भारतीय सोशलिस्ट मंच ....

आया है तो भारत में उसका स्वागत किया गया है,चाहे वह इस्लाम हो चाहे वह क्रिश्चियनिटी हो चाहे वह यहूदी हो या फिर पारसी हो सभी को गले लगाया है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनियां का एक ऐसा अकेला मुल्क है, जहां मियां मीर स्वर्ण मंदिर की नींव रखते हैं।बाबा फरीद की वाणी गुरुद्वारे में गायी जाती है और जहां कबीर को मुस्लिम महिला द्वारा पालन पोषण किया जाता है वो देश हमारा भारत है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह राजपूत देवेंद्र अवाना देवेंद्र गुर्जर एल के मिश्रा मोहसिन सैफी मोहम्मद यामीन रिहान रोशन सिंह बंटी आमिर साहिल खान गौरव मुखिया मोहम्मद नौशाद अच्छे मियां मुन्ना आलम नेरुलहसन शकील अहमद अंसार अली उस्मान भड़ाना मोहम्मद सद्दाम आशु प्रेम गौरव चौहान कल्याणकारी मित्र उपस्थित रहे।

45 करोड़ की लागत...

इसके अलावा दो नए रैनीवेल बनाए जा रहे है। इस तरह से 160 एमएलडी के आसपास रैलीवेल से सप्लाई होगा। जिसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गंग नहर की साफ-सफाई या अन्य कोई फाल्ट होने पर गंगाजल की सप्लाई बाधित होती है। यदि ऐसा होता भी है तो अब हम रैनीवेल के पानी से उसकी पूर्ति कर सकते है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है।
समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में रचा इतिहास: डा. पवन

भाजपा ने तोड़ा 70 साल का रिकॉर्ड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हरियाणा में मिली भारतीय जनता

पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर राष्ट्रीय सैनी सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. पवन सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बधाई देते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी की कार्य कुशलता से भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में 70 सालों का रिकॉर्ड तोड़ने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि जब से नायब सिंह सैनी ने हरियाणा की कमल संभाली थी तभी से उन्होंने विकास की गति को इतनी तेज किया कि जनता वाह-वाह करने लगी। उन्होंने कहा कि सारे एग्जिट पोल को नकारते हुए वहां की जनता ने नायब सिंह सैनी पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि सैनी समाज हरियाणा के मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन करती है उन्होंने कहा कि जिस चतुराई एवं कार्य कुशलता के चलते उन्होंने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को जीत दिलाई है। उसकी जितनी प्रशंसा एवं स्वागत किया जाए वह कम है।

डॉ. पवन सैनी ने कहा कि सैनी समाज का भी मान सम्मान बढ़ाने में नायब सिंह सैनी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि सैनी समाज को नई दिशा एवं नई पहचान दिलवाने में हरियाणा के मुख्यमंत्री की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सैनी सभा मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करती है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे राज्य में नायब सिंह सैनी ने कमाल कर विपक्ष को चौंकाने का काम किया है। उन्होंने कहा विपक्ष पूर्ण अश्वस्था की भाजपा की सरकार नहीं बनेगी लेकिन जिस तरह से चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कमान संभाली और वहां पर काम किया उससे जनता पूरी तरह से संतुष्ट थी और उसका परिणाम कल देखने को मिला डॉ. पवन सैनी ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए सैनी समाज को भी इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उ.प्र.)
वेबसाइट: www.noidaauthorityonline.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अर्ह निविदाकारा से निम्न जॉब हेतु ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा संबंधी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की www.noidaauthorityonline.in एवं https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट देखते रहें।

क्र० सं०	जॉब संख्या/कार्य का नाम	कार्य की लागत (रु. लाख में)
1.	50/निदे०(उ०)/उ०निदे०(उ०)-II/2024-25, सैक्टर-50 में स्थित ग्रीन बैल्ट का दो वर्षीय अनुरक्षण कार्य।	24.38

जिन्हें दिनांक 23/10/2024 को सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन बिड दिनांक 24/10/2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।
कार्यलय सैक्टर-39
निदेशक (उद्यान) नौएडा
स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में दाख़िले की शुरुआत

भोपाल। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलूरु ने शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा - शैक्षिक मूल्यांकन प्रोग्राम के लिए दाख़िला शुरू कर दिया है। स्नातकोत्तर डिप्लोमा - शैक्षिक मूल्यांकन 2025-26 में प्रवेश हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर, 2024, साक्षात्कार- नवंबर-दिसंबर 2024, कक्षाओं की शुरुआत मार्च, 2025 रहेंगी ।*तारीखें अस्थायी हैं। प्रोग्राम की मुख्य विशेषताएं यह एक वर्षीय अंशकालिक प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम मूल्यांकन के क्षेत्र में सिद्धांत और व्यवहार को बराबर तरजीह देता है। यह ऑनलाइन और ऑन-कैंपस दोनों मोड में होगा। इसका मक़सद शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों की क्षमताओं को बढ़ाना है। इन हितधारकों में शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षक, शिक्षाकर्मी और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले अन्य पेशेवर लोग शामिल हैं। मूल्यांकन की संस्कृति में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ज़रूरी ज्ञान, कौशल और स्वभाव विकसित करते हुये इन क्षमताओं का निर्माण किया जाएगा। यह प्रोग्राम शिक्षा के क्षेत्र में कम से कम दो साल से काम कर रहे पेशेवरों के लिए बनाया गया है। वे शिक्षक, अकादमिक कोऑर्डिनेटर, शिक्षक प्रशिक्षक, पाठ्यचर्या डिजाइनर, प्रश्नपत्र निर्माता, पाठ्यपुस्तक लेखक, शैक्षिक सलाहकार, मूल्यांकन प्रैक्टिसनर और अन्य एनजीओ पेशेवर हो सकते हैं।

सोनी लिव ने 'फ्रीडम एट मिडनाइट' का दूसरा टीज़र जारी किया

मुंबई, एजेंसी। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के मेकर्स ने इस सीरीज का दूसरा टीजर जारी कर दिया है। गौरतलब है कि इस सीरीज में भारतीय इतिहास के एक निर्णायक पल को दिखाया गया है। डॉमिनिक लैपीरे और लैरी कॉलिन्स की मशहूर किताब पर आधारित 'फ्रीडम एट मिडनाइट' एक शानदार पॉलिटिकल थ्रिलर है। यह 1947 में भारत की आजादी के समय की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करती है। निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा, ''फ्रीडम एट मिडनाइट भारत के इतिहास के एक सबसे महत्वपूर्ण पल को बेहद प्रभावशाली तरीके से दिखाता है। यह शो बड़ी ही सावधानी से किए गए शोध पर आधारित है और उस समय की भावनात्मक एवं राजनीतिक उथल-पुथल को दिखाता है। इसमें प्रमुख ऐतिहासिक हस्तियों पर गहराई से नजर डाली गई है, हर किरदार को बहुत ही अच्छे से विकसित किया गया है, यह कलाकारों को वाकई में उनकी भूमिकाओं में ढलने की अनुमति देता है। कहानी सिर्फ राजनीति के बारे में नहीं बल्कि इंसान के उन अनुभवों, भावनाओं और चुनौतियों को भी एक्स्प्लोर करती है जिन्होंने एक ऐसे युग को आकार दिया जिसका असर देश पर लंबे समय तक रहा।

शार्क टैंक इंडिया सीजन 4 में नया शार्क

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया अपने बहु-प्रतीक्षित चौथे सीजन के साथ लौट रहा है। इस नये सीजन में दर्शकों को नए-नए आइडियाज, शानदार आंत्रप्रेन्योर्स और खेल को बदल देने वाली डील्स का एक रोमांचक लाइनअप देखने को मिलेगा। साथ ही एक नये शार्क कुणाल बहल की भी एंट्री होने वाली है। कुणाल स्नैपडील और टाइटन कैपिटल के को-फाउंडर तथा यूनिकॉमर्स के प्रमोटर हैं। बहल एक जाने-माने उद्यमी एवं निवेशक हैं। उन्होंने टेक्नोलॉजी के कई बिजनेसेस को बनाया और बढ़ाया है। उन्होंने 250 से ज्यादा स्टार्ट-अप्स में निवेश भी किये हैं। कुणाल भारतीय स्टार्ट-अप के क्षेत्र में एक बुलंद आवाज हैं और उन्हें कई पुरस्कार मिल चुके हैं। इनमें इकोनॉमिक टाइम्स आंत्रप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड, जोसेफ व्हार्टसन अवार्ड फॉर यंग लीडरशिप और फॉर्च्यून्स 40 अंडर 40, आदि शामिल हैं। कुणाल के साथ पैनल में अनुपम मित्तल (पीपुल ग्रुप के फाउंडर और सीईओ), अमन गुप्ता (बोट लाइफस्टाइल के को-फाउंडर और सीएमओ), नमिता थापर (एम्क्योर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर) और रितेश अग्रवाल होंगे।

एशिया की सबसे बड़ी माल्ट डिस्टिलरी भारत में ! फ्रांसीसी कंपनी लगा रही

नागपुर एजेंसी। पीएम मोदी का मेक इन इंडिया अभियान हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अब भारत माल्ट डिस्टिलरी सेक्टर में भी सरताज बनेगा। जी हां, शीवाज रीगल और एब्सोल्यूट वोदका बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी पर्नो रिका भारत में माल्ट डिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन फेसिलिटी विकसित करने के लिए 1,785 करोड़ रुपये का निवेश करने वाली है। कंपनी का यह प्लांट महाराष्ट्र में नागपुर के बुटीबोरी में लगने वाला है। इसके लिए कल ही एक पारंपरिक भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया था।

पर्नो रीका के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि नागपुर का बुटीबोरी यूनिट एशिया का सबसे बड़ा माल्ट डिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन यूनिट होगा। इस फेसिलिटी को डेवलप करने के लिए अभी करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। इसमें जमीन की लागत भी शामिल है। इस फेसिलिटी को डेवलप करने के लिए अगले 10 साल में करीब 1785 करोड़ रुपये का निवेश का प्रस्ताव है। इस यूनिट में विश्व स्तरीय माल्ट स्पिरिट के उत्पादन के लिए एंड-टू-एंड क्षमता स्थापित की जाएगी। इसके शुरू होने पर वहां हर साल 13 मिलियन प्योर अल्कोहलिक लीटर का उत्पादन हो सकेगा। बुटीबोरी यूनिट को डेवलप करने के लए पर्नो रिका और महाराष्ट्र सरकार के बीच इसी साल 23 फरवरी को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद से, पर्नोड रिका इंडिया ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए भूमि लागत सहित लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था। इसी क्रम में अब उस प्लांट के लिए भूमि पूजन हो चुका है। कंपनी का दावा है कि नागपुर के बुटीबोरी में स्थापित होने वाली माल्ट डिस्टिलरी से 90,000 किसानों को फायदा होगा। क्योंकि वहां भारी मात्रा में जौ की खरीदहोगी। इससे किसानों को उपज की भरपूर कीमत मिलेगी। कंपनी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में कई हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेगी। फैक्ट्री में करीब 800 लोगों को तो प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके अलावा ढेरों लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार मिलेगा।

ओरा पर नवरात्रि से मिलेगी सुंदर ज्वेलरी रोमांचक ऑफरों के साथ

मुंबई, एजेंसी। नवरात्रि और दशहरा जैसे त्योहारों की शुरुआत के साथ ओरा फाइन ज्वेलरी ने अपने नए आभूषण पेश किए हैं। इनमें हीरे के मंगलसूत्र शामिल हैं, जो इस जीवंत मौसम के सौंदर्य और परंपरा का प्रदर्शन करते हैं। त्योहारों पर ग्राहकों का रूप निखारने के लिए ओरा के पास हीरे के पेंडेंट सेट हैं, जो कालातीत सौंदर्य के साथ पारंपरिक मनोरम डिज़ाइन में बने हैं, जिससे उनका आकर्षण और बढ़ जाता है। ओरा ने ये डिज़ाइन आधुनिक महिलाओं के लिए पेश किए हैं, जिनमें हीरे की बारीक नक्काशी से लेकर भव्य आभूषण शामिल हैं। ओरा के मंगलसूत्र में आधुनिकता के साथ शाश्वत परंपरा का मेल है। हर डिज़ाइन बहुत बारीकी से तैयार किया गया है, जो महिलाओं को त्योहारों के लिए एक स्टेटमेंट पीस प्रदान करता है।

ऑप्टिमस के ड्रोन्स ने उमलिंग ला दर्रे पर 19,000 फुट पर उड़ान भर रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली। भारत में दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अग्रणी समूह ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (ओयूएस) ने आज घोषणा की कि भारतीय सेना द्वारा लेह-लद्दाख में 16 से 24 सितंबर, 2024 तक आयोजित हिम ड्रोन-ए-थॉन में कंपनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह आयोजन में भारत की सबसे उन्नत मानवरहित प्रणालियों में नवप्रवर्तन का परीक्षण किया गया। परीक्षण का पहला चरण वारी ला दर्रा में हुआ जिसमें 19200 फुट की ऊंचाई पर विश्व के सबसे ऊंचे मोटर से पहुंचने योग्य दर्रा उमलिंग ला दर्रा पर सफल कंपनियों ने अपने ड्रोन की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। ओयूएस ने अपने अति सहनशील वज्र 65 और वज्र 100 क्वाडकॉप्टर ड्रोन्स को प्रदर्शित किया और बम गिराने की क्षमताओं एवं लंबी दूरी तक निगरानी सहित अपनी उन्नत मिशन क्षमताओं को प्रदर्शित किया।

एथर ने अपने 450 एक्स और 450 एपेक्स स्कूटर्स पर विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार की प्रमुख कंपनी, एथर एनर्जी ने अपने 450एक्स और 450एपेक्स स्कूटर्स के लिए विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स में एथर 450एक्स और 450एपेक्स स्कूटर्स पर एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी, फ्री एथर ग्रिड चार्जिंग, कैश डिस्काउंट और कैशबैक ऑफर शामिल हैं। साथ ही 25,000 रुपये तक के बेनेफिट्स भी मिल रहे हैं।

इन बेनेफिट्स के अलावा, ग्राहकों को चुनिंदा क्रेडिट कार्ड और ईएमआई विनिमयों पर 10,000 रुपये तक का कैशबैक मिलेगा। इस प्रकार ग्राहकों को कुल 25,000 रुपये के बेनेफिट्स मिलेंगे। 450 एपेक्स 450 सीरीज़ का नया स्कूटर है, जिसकी खासियत इसकी परफॉर्मेंस है। इन त्योहारों पर एथर अपने एपेक्स मॉडल पर भी 450एक्स के बराबर 25,000 रुपये के बेनेफिट्स दे रहा है। एथर के 450 सीरीज़ के स्कूटर परफॉर्मेंस, टेक्नोलॉजी और विश्वसनीयता पेश करते हैं। 450 एक्स का 2.9 किलोवॉटघंटा बैटरी मॉडल 111 किलोमीटर और 3.7 किलोवॉटघंटा बैटरी मॉडल 150 किलोमीटर की आईडीसी रेंज प्रदान करता है। इनकी टॉप स्पीड 90 किलोमीटर/घंटा है। 450 एपेक्स 157 किलोमीटर की आईडीसी रेंज के साथ 100 किलोमीटर/घंटा की टॉप स्पीड प्रदान करता है। इन स्कूटर्स में ऑटोहोल्ड, फॉलसेफ, और गूगल मैप्स प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन के साथ 17.7 सेमी (7'') टीएफटी टच स्क्रीन दी गई है।

वार्नर ब्रदर्स ने अपने लेटेस्ट इंडिया ओरिज़नल 'रियलिटी रानीज़ ऑफ द जंगल' का अनावरण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। नंबर 1 नॉन-फिक्शन एंटरटेनमेंट, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने अपने नए इंडिया ओरिज़नल, रियलिटी रानीज़ ऑफ द जंगल का अनावरण 23 सितंबर को मुंबई में आयोजित एक भव्य संध्या कार्यक्रम में किया। भारतीय टेलीविज़न के इतिहास में पहली बार इस 10 एपिसोड की रियलिटी सीरीज़ की पात्र केवल महिला कलाकार हैं। डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर सोमवार-मंगलवार रात 10 बजे प्रसारित होने वाले इस शो के होस्ट वरुण सूद हैं और इसमें पवित्रा पुनिया, एकशा केरुंग, बेबिका धुर्वे, अंजलि श्मुक, क्रिसन बैरेटो, मीरा जगन्नाथ, जीविका त्यागी, मृणाल शंकर, सिफत सहगल, तेजस्वी मदिवाड़ा, अरुशी चावला और क्रिस्टीना बिजू जैसी 12 रियलिटी सुंदरियाँ अपनी ऐशो-आराम की जिंदगी छोड़कर जंगल के 'ऑफ-ग्रिड' एडवेंचर पर निकलेंगी।

इस शो के बारे में साई अबिषेक हेड, फैक्चुअल लाईफस्टाईल क्लस्टर, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, साउथ एशिया ने कहा, ''नॉन-फिक्शन की श्रेणी में कैटेगरी लीडर के रूप में हम जानते हैं कि हमारे दर्शक एडवेंचर रियलिटी शो बहुत पसंद करते हैं। हम उनके लिए रोमांचक अनुभव लेकर आते हैं, 'रियलिटी रानीज़ ऑफ द जंगल' में उन्हें अब तक के सबसे बड़े रोमांच का अनुभव होगा। हमारे इस रोमांचक शो में बारह लोकप्रिय रियलिटी स्टार अपनी ऐशो-आराम की जिंदगी छोड़कर बीहड़ जंगलों की चुनौतियों का सामना करेंगी और जिंदा रहने की अपनी क्षमता को परखेंगी।

अमेज़न और एम.एक्स. प्लेयर प्रीमियम मुफ्त मनोरंजन को बढ़ाने के लिए एक साथ आए

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न ने हाल ही में एम.एक्स. प्लेयर की कुछ संपत्तियों को अपने में शामिल किया है, जिसमें एम.एक्स. प्लेयर ऐप, जो कि भारत में एक प्रमुख निःशुल्क स्ट्रीमिंग ओ.टी.टी. सेवा है। इस अधिग्रहण के साथ, अमेज़न भारत की दो सबसे लोकप्रिय निःशुल्क ए.वी.ओ.डी. (या विज्ञापन-आधारित वीडियो ऑन डिमांड) सेवाओं - एम.एक्स. प्लेयर और अमेज़न मिनीटी.वी. को एक सेवा - अमेज़न एम.एक्स. प्लेयर में विलय कर रही है। सितंबर के महीने में, 250 मिलियन से अधिक अद्वितीय यूज़र्स ने इस मिश्रित सेवा पर स्थानीय भाषाओं में डब किए गए हज़ारों ओरिजिनल शो, लोकप्रिय फ़िल्में और अंतर्राष्ट्रीय शो तक पहुँच का मज़ा लिया, जिससे यह भारत में प्रीमियम कॉन्टेंट प्रदान करने वाली सबसे बड़ी निःशुल्क स्ट्रीमिंग सेवाओं में से एक बन गई।

आश्रम, धारावी बैंक, कैंपस डायरीज़, भौकाल, रक्तांचल, शिक्षा मंडल, रूहानियत, जमनापार, देहाती लड़के, हंटर, गुटर गू, नाम नमक निशान, फिज़िक्सवाला और ये मेरी फैमिली जैसे हिट शो की मिश्रित लाइब्रेरी के साथ-साथ हिंदी, तमिल और तेलुगु में डब किए गए लोकप्रिय कोरियाई, मैंडरिन और तुर्की शो के बड़े कलेक्शन के साथ, अमेज़न एम.एक्स. प्लेयर भारत में मनोरंजन के सबसे बड़े ठिकानों में से एक है। यह सेवा विभिन्न शैलियों में प्रीमियम कॉन्टेंट प्रदान करती है, जिसमें दिलचस्प थ्रिलर, मर-धाड़ और ड्रामा से लेकर समझदार बनने की कहानियाँ, रोमांस और बहुत कुछ शामिल है, यह सब कुछ एक ही जगह पर, मोबाइल पर इसके ऐप, अमेजन डाट इन शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टी.वी. और कनेक्टेड टी.वी. के माध्यम से उपलब्ध है।

अमेज़न एडवर्टाइज़िंग इंडिया के प्रमुख, गिरीश प्रभु ने कहा, आज हम एम.एक्स. प्लेयर की विस्तृत पहुँच को एडवर्टाइज़िंग की तकनीक के साथ लेकर आ रहे हैं, जो अमेज़न के अरबों ग्राहकों संकेतों का लाभ उठाती है। इसका अर्थ सभी ब्रांडों को सक्षम करना है, न कि केवल अमेज़न पर बिकने वाले ब्रांडों को, ताकि वे पूरे भारत के बहुत बड़ी तादाद में जुड़े हुए दर्शकों तक पहुँच सकें और संबंधित विज्ञापन दे सकें।

मीशो की 'मेगा ब्लॉकबस्टरर सेल 2024' के दौरान मध्य प्रदेश से मिले ऑर्डर्स में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के एकमात्र असली ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस मीशो ने 27 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2024 तक चली अपनी प्रमुख'मीशो मेगा ब्लॉ कबस्टटर सेल 2024' के दौरान शानदार बिक्री दर्ज की है। कंपनी को इस साल मांग में शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली और पिछले साल की तुलना में कुल ऑर्डर्स की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक रही। इसके अलावा, सेल की अवधि में इस प्लेसटफॉर्म के साथ लोगों का जुड़ाव भी बहुत बढ़ गया और उसके 3 करोड़ से ज्याहदा ऐप डाउनलोड्स हुए।

सेल के दौरान कई सारे यूजर्स ने मीशो को चुना और त्यौनहारों की खरीदारी में बेहतरीन सौदे किये। अकेले मध्यकप्रदेश में ही ऐप डाउनलोड्स में पिछले साल की तुलना में 262 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। यह क्षेत्र में मीशो के लिये बड़े पैमाने पर इसका आकर्षण दिखाता है। मध्यनप्रदेश में खरीदारों ने जो उत्पासद सबसे ज्यारदा खरीदे, उनमें ब्लू टूथ हेडफोन्सक और ईयरफोन्स।, लहंगा चोली, स्मार्जट घड़ियाँ, वॉलपेपर्स, हैण्डिबैग्स , एक्स टेंशन बोर्ड्स, मोबाइल कवर्स और कॉटन की चादरें शामिल हैं। इसके अलावा मध्यहप्रदेश में इस साल ऑर्डर्स और यूजर्स की संख्यास में जबर्दस्तक 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे राज्यध में ऑनलाइन खरीदारी के लिये लोगों के उत्साजह और दिलचस्पीम का पता चलता है। इसके अलावा, इस साल मध्य प्रदेश से जुड़ने वाले विक्रेताओं की संख्यार में लगभग 70 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। यह मध्याप्रदेश में उद्यमिता के जीवंत उत्सा ह और ई-कॉमर्स के परिदृश्य में बढ़ते अवसरों का प्रमाण है। भारत में ई-कॉमर्स के लिये मांग को सामने लाकर मीशो ज्यौदा से ज्यायदा लोगों के लिये ऑनलाइन खरीदारी को सुलभ एवं किफायती बना रही है। कुल मिलाकर, इस प्लेमटफॉर्म पर 145 करोड़ ग्राहकों ने विजिट किया, जिनमें से लगभग 45 प्रतिशत खरीदार टीयर 4 शहरों से आते हैं। इससे पता चलता है कि कम सेवाप्राप्तन जगहों में ई-कॉमर्स की संभावना को लेकर मीशो कितनी सफल रही है। सेल के दौरान कंपनी ने सुदूर जगहों तक अपनी पहुँच बनाई थी ।

, जैसे रानाघाट (पश्चिम बंगाल), नेय्याट्टिनकारा (केरल), भदोही (उत्त र प्रदेश), सांगारेड्डी (तेलंगाना), शिवसागर (असम), जयनगर (बिहार) और नौगढ़ (उत्त राखण्डे)। कंपनी ने दिल्लीन, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे मेट्रो शहरों में भी शानदार प्रदर्शन किया। अब चूंकि उपभोक्तो बढ़ती संख्याग में डिजिटल खरीदारी को अपना रहे हैं, इसलिये प्रीपेड ऑर्डर्स में 117 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह टीयर 2 और उनसे निचले दर्जे के शहरों में भुगतान के डिजिटल विकल्पोंर के लिये ग्राहकों की बढ़ती चाहत दिखाता है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मण्डल, विकास जैन प्रदेश अध्यक्ष, नवनीत गुप्ता चेयरमैन, शिवा चौहान सचिव, शक्ति सिंह उद्योग प्रकोष्ठ, हर्षित गुप्ता ग्रेटर नोएडा प्रभारी, आकाश तोमर, आकाश चौहान बरौला प्रभारी उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की टीम कल देर रात्रि श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 में हो रही रामलीला में वशिष्ठ अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

सेक्टर-12 में श्री बजरंग रामलीला संचालिका समिति में मुख्य अतिथि के रूप में पूजा-अर्चना करते कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम नागर, वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा व महानगर महासचिव व पीसीसी सदस्य यतेन्द्र शर्मा।

भारत-बांग्लादेश टी-20

दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना दबदबा बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। बांग्लादेश की टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके तीन मैच की श्रृंखला को जीवंत बनाए रखने की कोशिश करेगी लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पहले मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसे देखते हुए मेहमान टीम के लिए यह आसान काम नहीं होगा।

ऋषभ पंत, अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के बावजूद भारतीय टीम ने ग्वालियर में पहले मैच में जिस तरह से शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा उससे सीमित ओवरों की क्रिकेट में उसकी मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' का पता चलता है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस मैच में अपनी चमक बिखेरने के लिए आतुर होंगे। उन्होंने 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण वह अंदर बाहर होते रहे।

सैमसन अमूमन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं लेकिन पहले मैच में उन्होंने पारी का आगाज किया था तथा 19 गेंद पर 29 रन बनाए थे। कप्तान सूर्यकुमार पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सैमसन श्रृंखला में आगे भी यह भूमिका निभाते रहेंगे। सैमसन और उनके साथ पारी की शुरुआत करने वाले अभिषेक शर्मा पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को विश्राम दिए जाने के कारण सैमसन और अभिषेक को यह मौका मिला है जिसका वह पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

पहले मैच में आसान जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। अपना पहला मैच खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने ग्वालियर में अपना प्रभाव छोड़ा था। अर्शदीप सिंह ने तेज गेंदबाजी में अगुआ की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने तीन साल के बाद सफल वापसी की थी। भारतीय टीम में वॉशिंगटन सुंदर भी हैं जो रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस प्रारूप में ऑलराउंडर की जगह पर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में उसके बल्लेबाजों ने टीम को खासा निराश किया। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने मैच के बाद स्वीकार किया था कि उनके बल्लेबाज नहीं जानते कि 180 रन से अधिक का स्कोर कैसे बनाना है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा था कि उनकी टीम ने बहुत खराब प्रदर्शन नहीं किया और वह वापसी करने में सक्षम है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), नितीश रेड्डी/तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव

बांग्लादेश - तंजीद हसन, लिटन दास (विकेटकीपर), नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम

समय - शाम 7 बजे से।

मयंक ने 150-160 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी क्यों नहीं की?

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अपनी शानदार गति से आग लगाने वाले मयंक यादव ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में भारत के लिए अपना बहुप्रतीक्षित डेब्यू किया। मयंक अपने डेब्यू मैच में 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद नहीं फेंक पाए। पिछले सीजन में आईपीएल में इस तेज गेंदबाज ने 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उनकी रफ्तार 135 किमी प्रति घंटे से 150 किमी प्रति घंटे के बीच रही। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने उनकी कम रफ्तार के पीछे एक संभावित कारण बताया है।

उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, मयंक यादव ने अपना पहला ओवर मेडन फेंका - मयंक गतिमान यादव। उन्होंने चार महीने से क्रिकेट नहीं खेला था। वह चोट के बाद वापसी कर रहे थे। उनके पेट में कुछ तितलियां थीं। साथ ही थोड़ी नर्वस

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने दिया जवाब

एनर्जी भी थी। चोपड़ा ने कहा, हालांकि, उन्होंने अच्छी शुरुआत की और सीधी रेखाओं में गेंदबाजी करने की कोशिश की। वह 150-160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक पहुंचने की कोशिश नहीं कर रहे थे, क्योंकि उनका ध्यान शरीर पर थोड़ा अधिक था - चलो खुद पर दबाव नहीं डालते क्योंकि मैं चोट के बाद वापस आ रहा हूं। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस गेंदबाज में गति है।

मयंक ने मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया जिससे बड़े मंच पर उनका अच्छा आगमन हुआ। हालांकि, चोपड़ा को अभी भी लगता है कि मयंक को अपने असाधारण कौशल का सही तरीके से इस्तेमाल करने से पहले कुछ समय चाहिए। चोपड़ा ने कहा, उन्होंने अच्छी गति से गेंदबाजी की और दिखाया कि उनके पास सभी चीजें हैं। आप अभी से उन चीजों को देख रहे हैं जिनसे एक बेहतरीन डिश तैयार की जा सकती है। हालांकि, इसमें कुछ समय लगेगा और भारतीय टीम उन्हें समय देगी, ऐसा मुझे लगता है।

वे उसे बाहर कर देंगे, पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज चौपड़ा ने संजू सैमसन को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 9 साल पहले 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बावजूद फिर से भारतीय क्रिकेट टीम में स्थायी स्थान पाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाने का फैसला किया है।

ग्वालियर के न्यू माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में सैमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। सैमसन ने अपनी टाइमिंग और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए 19 गेंदों पर 29 रन बनाए, लेकिन जल्दी आउट होने के कारण वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाए। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने आगामी मैचों में निरंतरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि अगर सैमसन अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो उन्हें बाहर किया जा सकता है।

चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अच्छा है। उसने 29 रन बनाए। मेरी एकमात्र बात यह थी कि चूंकि वह यहां तक ??पहुंच गया है, इसलिए उसे थोड़ा और आगे बढ़ना चाहिए। उसे कुछ और रन बनाने चाहिए क्योंकि अन्यथा, वे उसे छोड़ देंगे। वह अंदर-बाहर (साइड से) और ऊपर-नीचे (बल्लेबाजी क्रम) होता रहता है।

बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जीत का श्रेय गंभीर को नहीं इसे देना चाहिए : गावस्कर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि कानपुर में बांग्लादेश पर भारत की उल्लेखनीय टेस्ट जीत का श्रेय नवनियुक्त कोच गौतम गंभीर के बजाय रोहित शर्मा को जाना चाहिए। गावस्कर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट की आक्रामक शैली को अपनाया है और इस साहसिक दृष्टिकोण को वर्णित करने के लिए 'गोहित' लेबल का सुझाव दिया। गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की रणनीति के लिए गंभीर को मान्यता मिलने पर अपनी निराशा व्यक्त की और इसे 'उच्च कोटि की चाटुकारिता' करार दिया। गावस्कर ने लिखा, जबकि बेन स्टोक्स और मैकुलम के नए शासन के तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस दृष्टिकोण को उनके नाम करना सबसे बड़ी गलती है। गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच से पूर्व बोले अर्शदीप सिंह

तय सोच के साथ मैदान में नहीं आता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बुधवार को यहां कहा कि वह किसी मैच में पहले से ज्यादा रणनीति तय करने की बजाय परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश करते हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में गुरुवार को यहां दूसरा मैच खेलेगी। युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाजों में शामिल अर्शदीप ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं किसी मैच में किसी तय मानसिकता के साथ नहीं आता हूं। मैं 'न्यूट्रल माइंडसेट (पहले से तय योजना के बिना) के साथ मैच में जाना पसंद करता हूं। मेरी कोशिश प्रतिद्वंद्वी टीम से पहले परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की होती है।

टी20 विश्व कप विजेता अर्शदीप सिंह को भविष्य के बारे में चिंता करना या अतीत के बारे में सोचना पसंद नहीं है। अपने दो साल के करियर में दो टी20 विश्व कप खेलने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, 'मेरे जीवन का मंत्र है कि मौजूदा समय का लुत्फ उठाना। आज मेरा विश्राम करने का दिन है इसलिए मैं आज आराम करना पसंद करूंगा। कल की कल देखेंगे।

भारत के लिए 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल चुके इस खिलाड़ी ने लाल गेंद

प्रारूप से काउंटी क्रिकेट और फिर हाल ही में दलीप ट्रॉफी में प्रभावित किया। इस वामहस्त गेंदबाज से जब टेस्ट मैचों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे जहां भी मौका मिले, मैं सभी प्रारूपों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'विभिन्न परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को अपने कौशल का पता लगाने का मौका मिलता है। यह विकेट चटकाने के तरीके और दबाव से उबरने के बारे में है। विभिन्न प्रारूपों में खेलना खिलाड़ियों को बहुत कुछ सिखाता है।

उन्होंने कहा, 'लाल गेंद में, आपको गेंदबाजी करने के लिए अधिक ओवर मिलते हैं, यह आपको धैर्य सिखाता है, यहां (टी20 में) आपको धैर्य की आवश्यकता नहीं है, आपको यह सोचना होगा कि एक बल्लेबाज क्या कर सकता है। पंजाब के इस गेंदबाज को जब बताया गया कि दिल्ली के इस मैदान में पिछले कुछ मैचों में बड़े स्कोर बने है तो उन्होंने कहा, 'मैं सोच कर नहीं आया था कि यहां इतने रन बनते है, अब आपने मेरे मन में यह डाल दिया। उन्होंने कहा, 'आईपीएल के बीते सत्र में हमारा (पंजाब किंग्स) यहां कोई मैच नहीं था लेकिन इस मैदान पर स्कोर देखकर मुझे विकेट देखने का मन नहीं हुआ। हम कल आएंगे और परिस्थितियों का आकलन करेंगे और उसके अनुसार योजना बनाएंगे। कोच और कप्तान विकेट को परख कर योजना तय करेंगे।

भारत-आस्ट्रेलिया

हरवंश पंगालिया का शतक, भारत के पहली पारी में 492 रन

चेन्नई (एजेंसी)। हरवंश पंगालिया (117) की शतकीय और नित्या पांडे (94), केपी कार्तिकेय (71), निखिल कुमार (61) कप्तान सोहम पटवर्धन (63) की

अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 492 का स्कोर खड़ा किया है।

चेपक स्टेडियम में भारतीय टीम ने कल के पांच विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन का इजाफा हुआ था कि ओली पैटरसन ने कप्तान सोहम पटवर्धन (63) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद एनान (26), समर्थ नागराज (20), चेतन शर्मा (शून्य) पर आउट हुए। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये हरवंश पंगालिया शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 143 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। अनमोलजीत सिंह 11 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय अंडर-19 टीम ने 133.3 ओवर में 492 रन बनाए।

इससे पहले कल भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और केवल चार रन के स्कोर पर वैभव सूर्यवंशी (3) आउट होकर वापस पैवेलियन लौट गए। वैभव को होकेस्ट्रा ने ली यंग के हाथों आउट करा ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद विहान मल्होत्रा एवं नित्या पांड्या ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। मल्होत्रा (10) को रामकुमार ने बोल्ड आउट कर दिया।

इसके बाद नित्या पंड्या और केपी कार्तिकेय ने तीसरे विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी की। इस दौरान नित्या पांड्या (94) शतक से चूक गए। पांड्या को होकेस्ट्रा ने रानाल्डो के हाथों कैच आउट कराया। केपी कार्तिकेय ने 71 रन बनाए। उन्हें होवे ने ओ'कॉनर के हाथों कैच आउट कराया। पांचवें विकेट के रुप में निखिल कुमार (61) रन बनाकर आउट हुए। निखिल को पैटरसन ने होवे के हाथों कैच आउट कराया।

दो मैचों की इस श्रृंखला में भारतीय टीम 1-0 की बढ़त बनाए हुए है। ऑस्ट्रेलिया की ओर हेरी होकेस्ट्रा, ओली पैटरसन, क्रिश्नन होवे और लैकलन रानाल्डो ने दो-दो विकेट लिए जबकि विश्वास रामकुमार और रिले किंग्सेल को एक-एक विकेट मिला।

महिला टी20 विश्व कप

आज श्रीलंका पर बड़ी जीत से, रन रेट में सुधार करने उतरेगा भारत

दुबई (एजेंसी)। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में मिला-जुला परिणाम हासिल करने वाली भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए में

बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने नेट रन रेट में सुधार करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 106 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उसने 18.5 ओवर खेले।

भारत की टूर्नामेंट में अभी तक सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन रहा है विशेष कर शेफाली वर्मा और उप कप्तान स्मृति मंधाना अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए हैं। शैफाली ने जहां पहले दो मैच में दो और 32 रन बनाए वही मंधाना 12 और सात रन ही बना सकी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर दबाव कम करने के लिए इन दोनों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अभी तक दो मैच में 15 और 29 रन बनाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर का गर्दन में चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ खेलना संदिग्ध है जिससे भारत की समस्या और बढ़ गई है।

हरमनप्रीत पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गई थी और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा था। ऐसी परिस्थितियों में जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रिचा घोष को बल्लेबाजी ने अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में 19 रन देकर तीन विकेट हासिल करके अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर से अधिक सहयोग की जरूरत है।

टीम इस प्रकार हैं

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल , सजना सजीवन

श्रीलंका - विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, हासिनी परेरा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), नीलाक्षिका सिल्वा, चमारी अटापट्टू (कप्तान), कविशा दिलहारी, अमा कंचना, इनोशी प्रियदर्शनी, शशिनी गिम्हानी, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, सचिनी निसानसाला, उदेशिका प्रबोधनी , इनोका राणावीरा।

समय- शाम 7:30 बजे।

ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसले के पिता 2 करोड़ की पुरस्कार राशि से नाखुश, रखी ये बड़ी मांगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसले के पिता सुरेश कुसले ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 2 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलने से नाखुश हैं। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि वह अपने राज्य के ओलंपिक पदक विजेताओं को इससे कहीं अधिक राशि देता है। स्वप्निल ने ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीता था। वह महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले हैं। सुरेश कुसले ने सोमवार को कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उनके बेटे को 5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि और पुणे के बालेवाड़ी में छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पास एक फ्लैट मिलना चाहिए।

सुरेश कुसले ने कहा, हरियाणा सरकार अपने प्रत्येक (ओलंपिक पदक विजेता) खिलाड़ी को 5 करोड़ रुपए देती है (हरियाणा स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ रुपए और कांस्य विजेता को 2.5 करोड़ रुपए देता है)। उन्होंने पूछा, महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित नई नीति के अनुसार, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपए मिलेंगे। राज्य ने ऐसे मानदंड क्यों बनाए हैं, जबकि स्वप्निल 72 वर्षों में महाराष्ट्र से केवल दूसरे व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता (1952 में पहलवान केडी जाधव के बाद) थे?

भारत ने पेरिस ओलंपिक में छह पदक जीते जिनमें से पांच व्यक्तिगत थे। पांच व्यक्तिगत पदक विजेताओं में से चार हरियाणा और एक महाराष्ट्र से था। दोनों राज्यों में पुरस्कार राशि में अंतर की तुलना करते हुए सुरेश कुसले ने कहा कि महाराष्ट्र की तुलना में हरियाणा बहुत छोटा राज्य होने के बावजूद अपने पदक विजेता एथलीटों को अधिक पुरस्कार राशि देता है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने स्वर्ण पदक विजेता के लिए 5 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता के लिए 3 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेता के लिए 2 करोड़ रुपए की घोषणा की है। ऐसे मानदंड क्यों हैं, जबकि महाराष्ट्र के केवल दो खिलाड़ियों ने इतने वर्षों में व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीते हैं?

उन्होंने कहा, %अगर मुझे ऐसा पता होता तो मैं उसे किसी अन्य खेल में अपना करियर तलाशने के लिए राजी कर लेता। क्या स्वप्निल के साधारण पृष्ठभूमि से होने के कारण पुरस्कार राशि कम रखी गई है? अगर वह विधायक या मंत्री का बेटा होता तो क्या पुरस्कार राशि इतनी ही रहती? इसके अलावा, सुरेश कुसाले ने पुणे में खेल परिसर में 50 मीटर थ्री-पोजिशन राइफल शूटिंग क्षेत्र का नाम अपने बेटे के नाम पर रखने की भी मांग की।

अपनी मांगों के बारे में पूछे जाने पर सुरेश कुसले ने कहा, स्वप्निल को पुरस्कार के रूप में 5 करोड़ रुपए, बालेवाड़ी खेल स्टेडियम के पास एक फ्लैट मिलना चाहिए ताकि वह आसानी से अभ्यास के लिए आ-जा सके। स्वप्निल के नाम पर 50 मीटर थ्री-पोजिशन राइफल शूटिंग क्षेत्र रखा जाना चाहिए। पेरिस में स्वप्निल की उपलब्धि के बाद निशानेबाज को उसके नियोक्ता सेंट्रल रेलवे ने पदोन्नत किया और उसे विशेष ड्यूटी पर अधिकारी नियुक्त किया। महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों सहित प्रमुख खेल आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि को दोगुना करने की घोषणा की।

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊतकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

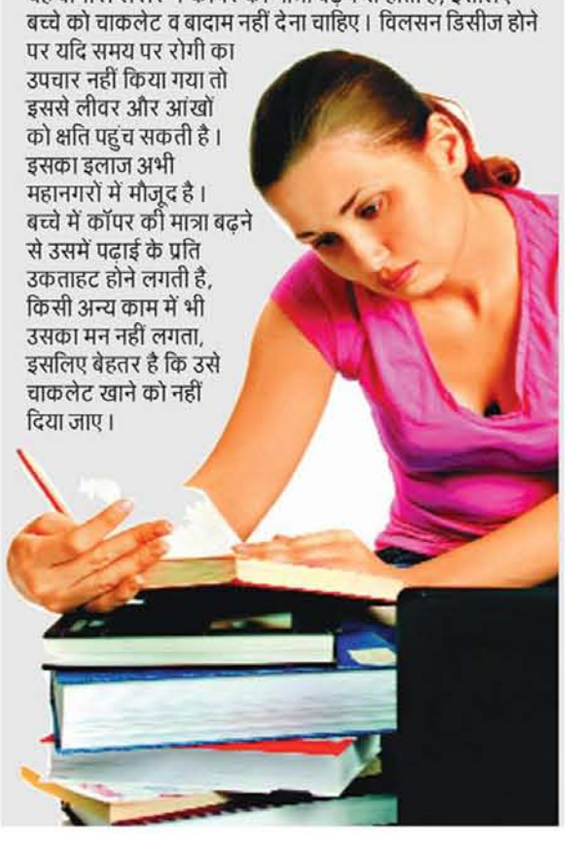

चार पेशिया कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है :

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

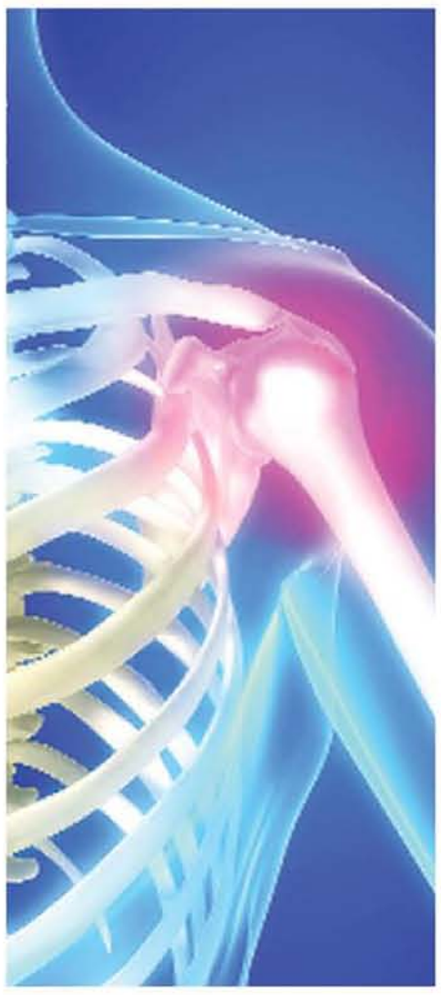

कंधों-बांहों में दर्द का कारण रोटेटर कफ इंजरी

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं :

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु :शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन :संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय :

दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है। आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

सुजॉय घोष ने 'जाने जां' में करीना की कास्टिंग को लेकर किया खुलासा

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने सुजॉय घोष की मिस्ट्री थ्रिलर 'जाने जां' के साथ ओटीटी पर डेब्यू किया था। उनकी भूमिका को काफी सराहा गया और उन्होंने सिद्ध कर दिया कि उन्हें भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे प्रतिभाशाली सितारों में क्यों गिना जाता है। इस फिल्म में अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ माया डिसूजा के रूप में अपनी भूमिका को बखूबी निभाया। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान सुजॉय घोष ने फिल्म को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माण से पहले कुछ लोगों ने उनसे कहा था कि 'बेबो' इस फिल्म के लिए दार्जिलिंग नहीं जाएंगी। हाल ही में मैशेबल इंडिया से बात करते हुए सुजॉय घोष ने 'जाने जान' के लिए करीना कपूर खान की कास्टिंग को लेकर चल रहे संशय और गलतफहमियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब लोग किसी को सार्वजनिक रूप से देखते हैं, तो उनके बारे में आसानी से राय बना लेते हैं। फिल्म निर्माता ने कहा, 'कई लोगों ने मुझसे कहा था कि करीना कभी दार्जिलिंग में शूटिंग नहीं करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं था। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्धता दिखाई।' उन्होंने कहा कि बेबो का अपने काम के प्रति समर्पण सराहनीय है। बातचीत के दौरान सुजॉय घोष ने कहा कि एक किरदार लिखते समय, वह हमेशा अपने दिमाग में एक चेहरा बनाते हैं। निर्देशक ने खुलासा करते हुए कहा, 'जब मैं एक मां की भूमिका लिख रहा था जो अपने बच्चे की मदद करने के लिए चौबीसों घंटे काम करती है, खुद को प्राथमिकता देने के लिए उसके पास कोई समय नहीं है, लेकिन फिर भी वह सुंदर दिखती है, तो मुझे करीना दिखाई देती हैं।' निर्माता ने आगे कहा कि उनके वह भाग्यशाली थे कि करीना कपूर खान ने उस भूमिका को निभाने के लिए सहमत हो गई और उनके हां के साथ उनका आधा काम पूरा हो गया।

शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार खत्म, आंखों की गुस्ताखियां में करेंगी अभिनय

संजय कपूर की 24 वर्षीय बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर वह फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में विक्रांत मैसी के साथ अभिनय करेंगी। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में शनाया कपूर एक थिएटर आर्टिस्ट की भूमिका निभाएंगी जबकि विक्रांत मैसी (37) एक दृष्टिहीन संगीतकार के किरदार में होंगे। कहानी उनके प्रेम और आत्म-खोज की परिवर्तनकारी यात्रा के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसे 2025 के मध्य में रिलीज करने का लक्ष्य है। आंखों की गुस्ताखियां कथित तौर पर प्रसिद्ध भारतीय लेखक रस्किन बॉन्ड की लोकप्रिय लघु कहानी द आइज हैव इट पर आधारित है। फिल्म करुणा, इच्छाशक्ति, स्वतंत्रता, इच्छा, धारणा, स्मृति और आत्मविश्वास के विषयों का पता लगाएगी। यह संगीतमय पृष्ठभूमि पर आधारित शानदार उतार-चढ़ाव से भरी एक आकर्षक कहानी होने का वादा करती है। ब्रोकन बट ब्यूटीफुल, अपहरण और रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड जैसे वेब शो के निर्देशन के लिए जाने जाने वाले संतोष सिंह कथित तौर पर आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन करेंगे। पटकथा को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने रूपांतरित किया है। शुरुआत में अयंगर को फिल्म का निर्देशन करना था, लेकिन ऐसी फिल्मों को संभालने में व्यापक अनुभव के कारण कथित तौर पर सिंह द्वारा उनकी जगह ले ली गई। रिपोर्ट तो यह भी है कि फिल्म में शनाया कपूर को फाइनल करने से पहले निर्माता कथित तौर पर तारा सुतारिया, अलाया एफ और प्रतिभा रांटा के साथ चर्चा कर रहे थे। यह अपडेट शनाया कपूर के बॉलीवुड लॉन्च के लंबे इंतजार के बाद आया है। प्रारंभ में, उन्हें करण जौहर द्वारा शशांक खेतान की शहरी ट्रायएंगल प्रेम कहानी बेधड़क में पेश किया जाना था, लेकिन इसे बंद कर दिया गया।

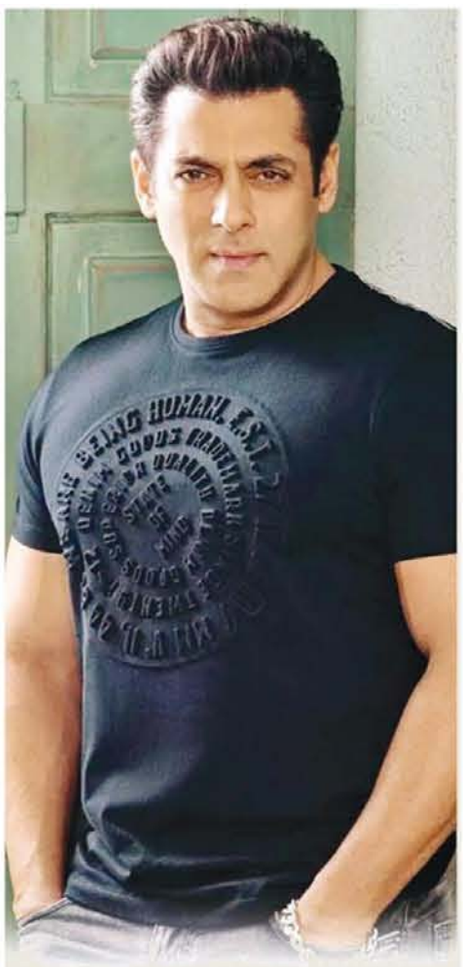

सिंघम अगेन के बाद एटली की बेबी जॉन में एक्शन दृश्य में नजर आएंगे सलमान खान

वरुण धवन की आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर उत्सुकता सलमान खान की कैमियो उपस्थिति की घोषणा के साथ ही चरम पर पहुंच गई है। तमिल हिट थेरी की रीमेक, एक्शन से भरपूर यह फिल्म वरुण धवन और एटली की शानदार जोड़ी को एक साथ लेकर आई है, जो एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जो दर्शकों को निश्चित रूप से लुभाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में सलमान खान की भूमिका को उनकी प्रतिष्ठित स्थिति के साथ न्याय करने के लिए सावधानी से तैयार किया गया है। जबकि मूल थेरी में प्रभु ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी, एटली और फिल्म के निर्देशक, कलीस ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए, खान की अनूठी शैली और करिश्मे के अनुरूप चरित्र को फिर से तैयार किया है। सुपरस्टार एक्शन से भरपूर दृश्यों में नज़र आएंगे, जिसमें वे अपना ट्रेडमार्क करिश्मा दिखाएंगे और मजाकिया संवाद बोलेंगे। एक सूत्र ने खुलासा किया, 卐चूंकि सलमान अपनी एक्शन भूमिकाओं और स्वैग के लिए जाने जाते हैं, इसलिए एटली और कलीस ने सुपरस्टार को लेकर कुछ लड़ाई के दृश्य जोड़े हैं। उन्हें कुछ मजाकिया संवादों के साथ एक साहसी पुलिस अधिकारी के रूप में देखा जाएगा।卐 बेबी जॉन धवन के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक समर्पित पुलिस अधिकारी है, जिसे एक व्यक्तिगत त्रासदी के बाद पुलिस बल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वह अपनी बेटी की रक्षा के लिए छिप जाता है और जब तक उसकी सुरक्षा को खतरा नहीं होता, तब तक एक शांत जीवन जीता है। यहीं पर खान का किरदार सामने आता है, जो नायक के लिए एक संरक्षक और मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करता है। सूत्र ने कहा, 卐सलमान के पुलिस वाले को नायक के लिए एक संरक्षक के रूप में दिखाया गया है। वह वरुण के चरित्र में विश्वास दिखाएंगे और उसे पुलिस बल में वापस लाएंगे।卐 खान इस सप्ताहांत अंधेरी स्टूडियो में अपने कैमियो की शूटिंग करने वाले हैं। धवन, जिन्होंने पहले अप्रैल में फिल्म के अपने हिस्से पूरे कर लिए थे, खान और फिल्म के खलनायक जैकी श्रॉफ के साथ काम करने के लिए फिर से सेट पर शामिल होंगे। दो दिनों में, खान अपना परिचय दृश्य फिल्माएंगे और रोमांचक एक्शन दृश्यों में शामिल होंगे। कलीस और लेखक सुमित अरोड़ा सहित रचनात्मक टीम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि खान का कैमियो उनके प्रशंसकों के लिए एक यादगार तोहफा हो।

ज़रीन ने विक्रमादित्य मोटवानी की तारीफ़ की

ज़रीन खान उन मशहूर हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं, जो विक्रमादित्य मोटवानी के लेटेस्ट प्रोजेक्ट CTRL की प्रशंसा कर रहे हैं। खान ने फ़िल्म के बारे में अपने विचार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए। इससे पहले, अनुराग कश्यप, सामंथा रूथ प्रभु और जैसे कई सेलिब्रिटीज ने फिल्म पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। यह पहली बार नहीं है, जब ज़रीन ने अपने इंडस्ट्री के लोगों के काम की सराहना की है। अपने सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने फैंस और फॉलोवर्स के साथ अपने एक्सप्रेशन और राय साझा करने में कभी संकोच नहीं किया। खान फिलहाल अपने फिटनेस वीडियो के लिए सुर्खियों में हैं, जिसने उनकी सिल्वर स्क्रीन वापसी को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में, आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान, एक्ट्रेस ने वादा किया था कि उनके दर्शक उन्हें जल्द ही स्क्रीन पर देख पाएंगे। अभिनेत्री ने कथित तौर पर कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट साइन किए हैं, जिनकी घोषणा वह जल्द ही करेंगी।

गुडाचारी 2 के सेट पर घायल हुए इमरान

इमरान हाशमी हाल ही में गुडाचारी 2 की कास्ट में शामिल हुए हैं। हैदराबाद में एक इंटेंस एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान गर्दन में चोट लग गई है। बताया जा रहा है कि अभिनेता जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हो गए, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया। इमरान हाशमी हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान हाशमी को यह चोट तब लगी, जब वे एक कठिन स्टंट फिल्मा रहे थे। प्रोडक्शन सेट से एक सूत्र ने बताया, इमरान एक एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनकी गर्दन में चोट लग गई। चोट संभवतः जंपिंग सीन के दौरान लगी। सौभाग्य से, ऐसा लगता है कि चोट का इलाज किया जा रहा है और इमरान हाशमी जल्द ही फिल्मांकन फिर से शुरू कर सकते हैं।

आलिया भट्ट नहीं थीं 'डियर जिंदगी' के लिए पहली पसंद!

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अभिनेत्री यश राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा' की शूटिंग भी कर रही हैं। आलिया ने बहुत ही कम समय में खुद को बॉलीवुड के सुपरस्टार्स की लिस्ट में शामिल कर लिया। उन्होंने 'राजी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'डार्लिंग्स' जैसी बहुत सी फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों ने उनकी जगह इंडस्ट्री में पक्की कर दी। अभिनेत्री ने शाहरुख खान के साथ 'डियर जिंदगी' में अभिनय किया। इस फिल्म में उन्होंने शानदार भूमिका निभाई। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए आलिया पहली पसंद नहीं थीं। इस बारे में खुद अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान साझा किया। उन्होंने बताया कि वह डियर 'जिंदगी' के लिए गौरी की पहली पसंद नहीं थीं। गौरी शिंदे, जो श्रीदेवी के साथ 'इंग्लिश विंग्लिश' की सफलता के बाद वापसी कर रही थीं। उनके दिमाग में 'डियर जिंदगी' के लिए कोई और ही था। बातचीत में अभिनेत्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें पता था कि वह इस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं? साक्षात्कार के दौरान आलिया ने साझा किया कि शाहरुख खान और करण जौहर, जो फिल्म के निर्माता भी थे, उन्होंने गौरी को आलिया पर विचार करने के लिए मनाया, क्योंकि उन्हें लगा कि वह भूमिका के लिए बहुत छोटी नहीं दिखेंगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आलिया ने कहा, 'मुझे पता है कि पहले कोई और भी इस फिल्म के लिए राजी था और फिर इस बारे में बातचीत हुई कि शायद यह फिल्म मेरे पास आ सकती है। मुझे बस इतना ही पता है।

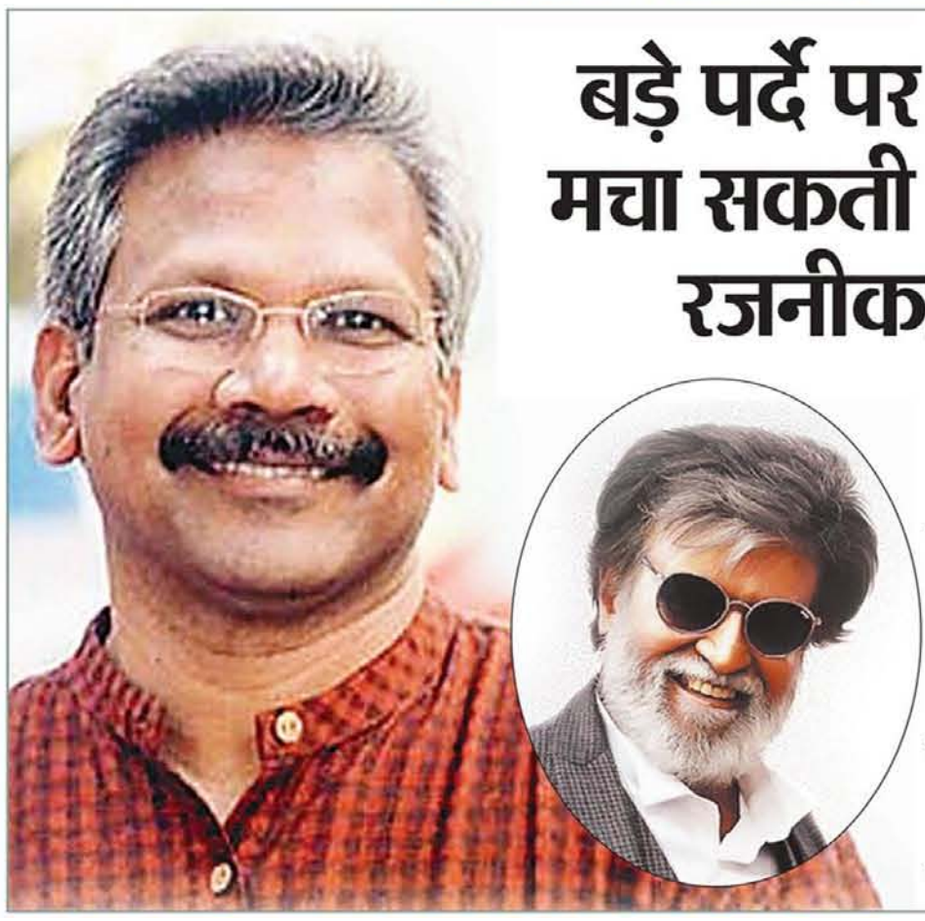

बड़े पर्दे पर फिर धमाल मचा सकती है मणिरत्नम रजनीकांत की जोड़ी

सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म में काम करते हुए नजर आ सकते हैं। 33 साल बाद अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी पर्दे पर बड़ा धमाल मचा सकती है। पिछली बार दोनों ने साल 1991 में दलपति नाम की फिल्म में साथ काम किया था। इसे कॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कल्ट का दर्जा प्राप्त है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्देशक मणिरत्नम अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए रजनीकांत से संपर्क साधने की योजना बना रहे हैं। फिल्म दलपति में रजनीकांत के साथ ममूटी भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी महाभारत के कर्ण और दुर्योधन की दोस्ती से प्रेरित थी। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से बहुत सफल रही और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में दोनों सितारों के करियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुई थी। मणिरत्नम की बात करें तो वह 34 साल बाद इन दिनों ठग लाइफ में कमल हासन के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके अगले साल रिलीज होने की संभावना है। इस फिल्म में कमल हासन, त्रिशा, सिम्बू, नासिर, अभिराम, जोजू जॉर्ज, गौतम कार्तिक, ऐश्वर्या लक्ष्मी, सान्या मल्होत्रा, अली फजल और पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं और इसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी फिल्म वेट्टैयन की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन, राणा दग्गुबाती, फहाद फासिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, अभिराम और रक्षण अहम किरदारों में दिखने वाले हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। सुपरस्टार अभिनेता की 71वीं फिल्म कुली भी लोकेश कनगराज के साथ है और इसका पहला शेड्यूल हाल ही में हैदराबाद में पूरा हुआ है। रजनीकांत के अलावा फिल्म के कलाकारों में श्रुति हासन, नागार्जुन, उपेंद्र राव, सौबिन शाहिर, सत्यराज जैसे सितारों के नाम शामिल हैं।

दूसरे धर्म में शादी पर बोलीं प्रियामणि

सिनेमा फिल्मों जगत में दूसरे धर्म में शादी करना और दिल लगाना आम बात है। इंडस्ट्री के ऐसे कई कपल हैं, जिन्होंने धर्म की दीवार तोड़कर अपना घर बसाया है। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने दूसरे धर्म में जहीर इकबाल से शादी की है। दोनों की शादी पर काफी बवाल मचा था। सोशल मीडिया पर ट्रोल्स ने जमकर सिन्हा परिवार पर निशाना साधा था और उल्टा सीधा बोला था। ऐसे में अब उन्होंने ट्रोल्स को जवाब दिया है और बताया क्या कुछ सहना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने दूसरे धर्म में शादी पर ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की और बताया कि कैसे लोग लव-जिहाद करने लगे थे। प्रियामणि ने ट्रोलिंग पर बात करते हुए कहा कि वो जन्म से ही हिंदू हैं और हमेशा अपने धर्म का पालन करेंगी। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने बताया कि नेटिजन्स उन पर आरोप लगाते हैं कि उन्होंने धर्म परिवर्तन किया है और तो और उन्हें लव जिहाद, मुस्लिम और उनके बच्चे आतंकवादी बनने जा रहे हैं, जैसे मैसेज करते हैं।

सिक्का बिल्डर के 31 फ्लैट सील, 60 बिल्डरों की लीजडीड कैंसिल का नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने बकायेदार बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम के निर्देश पर सबसे पहले सिक्का इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट को सील कर दिया गया है। प्राधिकरण के इस एक्शन के बाद बिल्डरों में हलचल हो गई है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-143बी में स्थित मेसर्स सिक्का इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 208.05 करोड़ रुपये की बकाया राशि है। इस प्रोजेक्ट की कीमत लगभग 51 करोड़ रुपये है।

प्राधिकरण ने 8 अक्टूबर को इस प्रोजेक्ट में बने 31 अनाधिकृत फ्लैट्स को सील करने की कार्रवाही की। अब इस फ्लैट को नीलाम किया जाएगा। इससे मिलने वाली राशि से प्राधिकरण की बकाया धनराशि की वसूली की जाएगी और फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री का रास्ता साफ होगा।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि समीक्षा में पाया गया कि कुछ बिल्डरों ने अपनी देय धनराशि का 25 प्रतिशत जमा कर दिया है। इनमें मुख्य रूप से सनवर्ल्ड रजिडेंसी, पैन रियलटर्स, एस्को प्रोपर्टीज और पारस बिल्डकॉन शामिल हैं। इन कंपनियों की कई परियोजनाएं नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में चल रही हैं। प्राधिकरण ने इन बिल्डरों के मुख्य द्वार पर नोटिस बोर्ड लगाने का निर्देश दिया है।

फर्जी फिटनेस रैकेट का भंडाफोड़, 8 मीटर जब्त

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-32ए स्थित एआरटीओ कार्यालय फिटनेस टेस्ट के लिए आठ ऑटो में लगे मीटर को जब्त किया गया है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर किराए पर मीटर लेकर ऑटो का फिटनेस कराने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसी क्रम मंगलवार को एक सूचना के आधार पर संभागीय निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता द्वारा निरीक्षण के दौरान आठ मीटर जप्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऑटो के लिए भी फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य है। लेकिन इन दिनों ऑटो चालक फर्जीवाड़ा करके प्रमाण पत्र ले रहे थे। मंगलवार को ऐसे ही आठ मीटर जप्त किए गए हैं। साथ ही चालकों से कहा गया है कि सही मीटर लगा होने के बाद ही फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि एआरटीओ कार्यालय के आसपास मीटर किराए पर देने वाला गैंग सक्रिय है। यह गेम ऑटो चालकों से 100 रुपए लेकर उन्हें मीटर उपलब्ध कराता है। फिटनेस प्रमाण पत्र बन जाने के बाद चालक वापस मीटर उस गैंग को दे देता है। यह मीटर वर्किंग नहीं होते हैं सिर्फ फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए लगाए जाते हैं। एआरटीओ प्रशासन डॉक्टर सियाराम वर्मा ने बताया कि इस तरह का अगर कोई भी प्रकरण हमारे संज्ञान में आता है तो कार्रवाई की जाएगी। मीटर चेक के दौरान अगर इस तरह की खामियां पाई जाती है तो उसके खिलाफ केस भी दर्ज कराया जाएगा।

सीईओ से मिला 'आप' का प्रतिनिधिमंडल

बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा व मोहल्ला क्लीनिक खोलने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। शहर की समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बड़ी पहल की है। पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष राकेश अवाना के नेतृत्व में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम से मिला और उन्हें शहर की विभिन्न समस्याओं पर आधारित मांग पत्र सौंपा।

जिसमें नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले बरात घरों की बुकिंग की प्रक्रिया को डिजिटल करने, मेट्रो स्टेशनों का नामकरण गाँवों और सेक्टरों के नाम पर रखने, प्राधिकरण से सड़कों को शीघ्र गड्ढा मुक्त करने, बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए शहर के सेक्टरों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्मॉग टावर लगाने, सेक्टरों और गांवों में सीवर लाइन के

मैनहोल की सफाई, लंबे समय से लंबित पड़े इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने, ग्रामीण क्षेत्रों में वीडीएस योजना को पुनः चालू करने की , शहर में सिटी बस सेवा शुरू करने तथा महिलाओं को मुफ्त में यात्रा की सुविधा देने, सभी सेक्टरों और गांवों में बड़े तिरंगे झंडे लगाने की मांग की गई है। सीईओ लोकेश एम ने सभी समस्याओं का अध्ययन कर समाधान का आश्वासन दिया।

इस मौक़े पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा, जिला संगठन मंत्री प्रशांत रावत ,जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव ,जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, जिला सचिव जयकिशन जयसवाल, जयराम, सुमित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लाखों लोगों का इलाज कर चुका सेक्टर-24 का डीडीपीआर केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले 17 वर्षों से मरीजों की सेवा कर रहा सेक्टर-24 स्थित डा. डीपी रस्तोगी केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान अब तक लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा चुका है। यहां पर ओपीडी में रोजाना औसतन 600-700 मरीज आ रहे हैं। संस्थान के प्रभारी अधिकारी डा. शाजी कुमार आर ओ (एच) वैज्ञानिक ने पत्रकार वार्ता में मीडियो को बताया कि यहां पर अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं पैथोलॉजी लैब, डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इलाज के अलावा यहां हिंदी पखवाड़ा जागरूकता शिविर, नशामुक्त अभियान, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पोषण अभियान आदि समय-समय पर चलाये जा रहे हैं। यह संस्थान एनएबीएल प्रमाणित तथा एनएबीएच मान्यता भी प्राप्त है। संस्थान में समय-समय पर नैदानिक अनुसंधान भी किए जाते हैं। इसके अलावा डायबिटीज, गठिया, अर्थराइटिस, मासिक धर्म गडबड़ी बांझपन आदि का भी सफल इलाज तथा अनुसंधान किया जाता है। यहां कई ओपीडी के अलावा आईपीडी विंग भी है।

यहां पर महिलाओं में बांझपन, नपुसंकता, गर्भाशय फाइब्राएड, स्तन फाई ब्राएडीनोमा की भी बीमारी का इलाज किया जाता है। मात्र 20 रूपये की पर्ची पर ओपीडी ईएनटी नेत्र, विज्ञान, अल्ट्रासाउंड, दवा आदि की सुविधा उपलब्ध है। सहायक निदेशक डा. पंकज गुप्ता ने बताया कि टीम ने विभिन्न परियोजनाओं में 45 नैदानिक अनुसंधान पर अध्ययन किया है। टीम चूहे से गठिया की बीमारी का इलाज करने के लिए शोध कर रहा है।

अस्पताल प्रभारी डा. श्रीमती पदमालय रथ ने बताया किा अनुसंधान ने लखनऊ विश्वविद्यालय, कांशीराम डिग्री कॉलेज गाजियाबाद तथा मेरठ स्थित एसआरएम यूनिवर्सिटी के छात्रों को अनुसंधान के प्रशिक्षण के लिए करार किया है। छात्रों में वनस्पति विज्ञान में डीएनए बारकोडिंग परियोजना पर काम चल रहा है। छात्रों को यहां पीएचडी भी कराई जाती है।

हरियाणा की जीत पर भाजपा ने मनाया जश्न

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा कार्यालय पर हरियाणा विधानसभा में तीसरी बार ऐतिहासिक विजय होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया और जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता मौजूद रहे। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

सतेंद्र सिसोदिया ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में रिकॉर्ड जीत है, हरियाणा के सभी कार्यकर्ताओं एवं हरियाणा के लोगो का बहुत बहुत धन्यवाद जिन्होंने एक बार फिर भाजपा पर भरोसा दिखाया जिसके लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र है।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता,जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष उमेश यादव, अमित नागपाल, सतेंद्र सिरोही, विवेक मिश्रा, मनीष उपस्थित रहे।

सीता हरण व जटायु के वध का मनमोहक मंचन

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा पिछले 39 वर्षो से रामलीला का मंचन करते आ रहे है उसी परिप्रेक्ष्य में प्रसिद्ध एवं सुन्दर कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन पेश किया गया। जिसमें सीता हरण की लीला का मंचन किया गया।

शबरी आश्रम में शबरी माता गीत पर राम की प्रतीक्षा कर रही होती है तभी राम जी आते है और दोनो में संवाद होता है अंत में राम द्वारा नवधा भक्ति बताई जाती है और दृश्य समाप्त हो जाता है राम लक्ष्मण किष्किंधा की ओर निकल जाते है।

आज के कार्यक्रम में टी एन गोविल, टी एन चौरसिया, सुशील भारद्वाज, संजय बाली महासचिव, दिनेष जैन वाईस-चेयरमैन, यूफ्लेक्स, बी. के मित्तल, अनिल अग्रवाल, अभय अग्रवाल, देवेन्द्र गंगल, केशव गंगल, दीपक गौतम, इन्द्र मोहन, षान सिंह, अल्पेष गर्ग, सौरभ गोविल, राकेष कत्याल, रमेश कुमार, मित्रा शर्मा, विपिन बंसल, विनय शर्मा, पवन कुमार, पीयूष रस्तोगी, षान सिंह, हरबीर यादव, अंकित मित्तल, अनिल भूशण, सोनू जिंदल, उदय जैन, कुलभूषण बाली, प्रवेश जैन, श्रेयस चतुर्वेदी, आलोक अग्रवाल, सन्नी अग्रवाल, अक्षित मेहता, सौरभ राणा, प्रदीप रतूडी, राम सिंह चंदेल, सुनील कुमार, मोहित ढिंगरा, एवं भारत विकास परिषद, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, पंजाबी एकता समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य आदि काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

केवट ने श्री राम को सरयू नदी पार कराई

श्री धार्मिक रामलीला सेक्टर पाई

ग्रेटर नोएडा। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला का मंचन सेक्टर पाई, ग्रेटर नोएडा में गोस्वामी सुशील जी महाराज के निर्देशन में राजस्थान के श्रेष्ठ कलाकारों द्वारा किया जा रहा है।

आज के मंचन का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय रमेश बिधुरी (सह प्रभारी उत्तर प्रदेश भाजपा एवं पूर्व सांसद दक्षिणी दिल्ली) और विशिष्ट अतिथियों बिजेंद्र भाटी (पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत), के.पी. कसाना और सविंद्र भाटी (वरिष्ठ समाजसेवी) ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मंचन की प्रमुख लीला में

दिखाया गया कि प्रभु श्री राम जब वनवास के लिए प्रस्थान कर रहे होते हैं, तो उन्हें केवट गंगा पार कराता है।

केवट ने श्री राम के चरणों की धूल को अपनी नाव पर लगने से पहले धोने की शर्त रखी, ताकि उसकी नाव पत्थर की तरह स्त्री न बन जाए।

यह प्रसंग दर्शाता है कि केवट पिछले जन्म में भगवान विष्णु के चरण स्पर्श की आकांक्षा रखने वाला कछुआ था, जो इस युग में केवट के रूप में जन्मा।

इसके बाद, श्री राम सरयू पार कर चित्रकूट पहुंचते हैं। अयोध्या में महाराज दशरथ के निधन के बाद, भरत जब राम को मनाने चित्रकूट जाते हैं, तो प्रभु श्री राम खड़ाऊं देकर भरत को अयोध्या लौटाते हैं। भरत उस खड़ाऊं को सिंहासन पर रखकर राम के प्रतीक के रूप में राज्य का संचालन करने का वचन लेते हैं।

महर्षिनगर में जगदम्बे की हुई पूजा-अर्चना

महर्षिनगर रामलीला

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-110 स्थित रामलीला परिसर में ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर जगत गुरु बासुदेवा नन्द सरस्वती महाराज के दिव्य आशीर्वाद से शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन यानि आठ अक्टूबर को मां जगदम्बे की पूजा अर्चना वैदिक पंडितो द्वारा किया गया।

इस पावन अवसर पर रात्रि आठ बजे से रामलीला मंचन के छठवें दिन भगवान श्रीराम लक्षण और माता सीता को वनवास, श्रीराम-निषादराज का संवाद, सुपर्णखा का नाक विग्रह लीला का शानदार मंचन किया गया। आज की रामलीला मंचन ने राम वन गमन ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

आज की रामलीला मंचन देखने के लिए भंगेल बाजार के आस पास के दर्शक भारी संख्या में मौजूद थे। रामलीला परिसर मंचन हो रहे रामलीला कार्यक्रम को देश और विदेश के दर्शकों को लाइव दर्शन करने के लिए यू ट्यूब चैनल पर प्रसारण हो रहा है।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भरद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति भी रही इसके साथ भाजपा नोएडा महानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता साथ में अनेक भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे तथा इस अवसर पर श्री दुर्गा पूजा, विजयादशमी तथा श्री रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान साथ में महर्षि रामलीला समिति के संजय सिन्हा, कमलेश यादव,प्रभात गोस्वामी, अवध राज शुक्ला, रजनीश यादव,शशिभूषण यादव श्रीकांत ओझा विनोद श्रीवास्तव, ललन पाठक, विनोद दीक्षित, एस पी गर्ग एवं मीडिया प्रभारी ए.के. लाल सहित अन्य पदाधकारी गण तथा नगर के हजारों धर्म प्रेमी जनमानस की गरिमामई उपस्थित रही।

प्रभु रामचंद्र ने मर्यादाओं का पालन कर देश को एक संदेश दिया था : मदन चौहान

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा मंगलवार को सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में आयोजित छठे दिन की रामलीला का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ मुख्य अतिथि मदन चौहान पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री मदन चौहान ने कहा कि भगवान रामचंद्र जी ने देश के लोगों को मर्यादा का पालन करने का एक बड़ा संदेश दिया था। इसलिए रामलीला मंचन को मनोरंजन ने समझकर सभी को यह समझना चाहिए की मर्यादा से बड़ा कुछ नहीं है, तभी समाज का अच्छा चित्रण सामने लाया जा सकता है। इसकी सभी को चिंतन करने की आवश्यकता है। क्योंकि भगवान रामचंद्र जी ने मर्यादा का पालन करते हुए सभी कठिनाइयों को झेला।

इस अवसर पर शक्ति मोहन अवस्थी डीसीपी सेंट्रल नोएडा, प्रवीण कुमार सिंह एसीपी नोएडा भी मौजूद रहे ,उन्होंने रामलीला कराने के लिए रामलीला आयोजकों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भरत यादव प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश, तथा स्वागत अध्यक्ष पीयूष द्विवेदी वरिष्ठ समाजसेवी मौजूद रहे। इसके

अलावा महेश सक्सेना, दिनेश भाटी, नवीन गुप्ता, ओमवीर अवाना, पवन शर्मा, विकास जैन , गिरीश कपूर, वीरेंद्र अग्रवाल, वीके गुप्ता, वी राणा, रामनिवास यादव, इंदर सिंह यादव, हरीश गौड़, संजय विकल, मूलचंद अवाना सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

छठे दिन की रामलीला में लीला वाचक पंडित कृष्णा स्वामी ने महाराजा दशरथ द्वारा गुरु वशिष्ट जी से परामर्श करके राज्याभिषेक की घोषणा करना, नगर वासियों का नृत्य करना, तथा केकई का कोप भवन में जाना, तथा राजा दशरथ द्वारा राम को वनवास और दशरथ के लिए राज्य मांगना, राम जी का वन को जाना माता सीता लक्ष्मण प्रभु राम सुमंत के साथ वन को प्रस्थान करना रास्ते में गंगा पार करते हुए केवट की मुलाकात होना तथा भारत जी का अयोध्या आना और राम जी को मनाने के लिए चित्रकूट आना आदि प्रभु लीला का मंचन किया गया।